RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, बुधवार ●08 मई , 2024 वर्षः-12 अंक - 10 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

पुतिन ने पांचवीं बार ली रूस के राष्ट्रपति पद की शपथ

- पहाड़ जैसी चुनौतियां कर रहीं इंतजार, बढ़ाया राष्ट्रवाद का एजेंडा

मॉस्को (एजेंसी)। व्लादिमार पुतिन ने मगलवार को पांचवीं बार रूस के राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ली है। क्रेमलिन में एक भव्य समारोह में शपथ लेकर 71 साल के पुतिन ने अपने पांचवें कार्यकाल की शुरुआत की है। पुतिन ने ऐसे समय में रूसी राष्ट्रपति का पद पांचवीं बार संभाला है, जब उन पर देश में विपक्ष को कुचलने का आरोप लग रहा है और पश्चिम के साथ टकराव काफी ज्यादा बढ़ा हुआ है। रूस की सत्ता में लगातार मजूबत होते रहे पुतिन के सामने अपने इस कार्यकाल में कई तरह की चुनौतियां होंगी। खासतौर से यूक्रेन में युद्ध का संकट उनके सामने एक बड़ा

चैलेंज है। पुतिन के मुख्य प्रतिद्वंद्वी एलेक्सी नवलनी की आर्कटिक जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में मौत के बाद मार्च में हुए चुनाव को पश्चिम ने एक दिखावा करार दिया है। रूस में पुतिन के ज्यादातर विरोधी या तो जेल में हैं या देश छोड़ चुके हैं। 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद सत्ता पर पुतिन की पकड़ और मजबूत होती रही है लेकिन इसके चलते रूस पश्चिमी प्रतिबंधों का भी सामना कर रहा है, जिससे रूसी अर्थव्यवस्था को काफी झटका लगा है। अर्थव्यवस्था की बेहतरी के लिए कदम उठाने की चुनौती पुतिन के सामने होगी। यूक्रेन पर आक्रमण के बाद पश्चिम के बैन को देखते हुए पुतिन ने ऊर्जा निर्यात में वृद्धि के साथ भारत और चीन को लुभाने के लिए पूर्व की ओर रुख किया है।

रूसी सेना परमाणु हथियारों के साथ करेगी युद्धाभ्यास

- नाटो सैनिकों की यूक्रेन में तैनाती की आशंकाओं के बीच पुतिन का बड़ा फैसला

मॉस्को (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपनी सेना को परमाणु हथियारों की ड्रिल करने का आदेश दिया है। इस युद्धाभ्यास में नेवी और यूक्रेनी सीमा के पास तैनात सैनिकों को भी शामिल करने को कहा गया है। अलजजीरा के मुताबिक, पुतिन ने यह फैसला तब लिया जब नाटो और पश्चिमी देशों ने यूक्रेन की मदद के लिए सेना भेजने की बात कही थी। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि युद्धाभ्यास के दौरान टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपेन की तैनाती पर फोकस किया जाएगा। हालांकि, यह ड्रिल कब

होगी, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। दरअसल, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पिछले हफ्ते कहा था कि अगर यूक्रेन ने मदद मांगी तो वे अपने सैनिकों को वहां भेज सकते हैं। इसके ठीक एक दिन बाद ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड कैमरून ने कहा था कि यूक्रेन अगर चाहे तो वह रूस पर हमला करने के लिए ब्रिटिश हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। रूस ने दोनों बयानों का विरोध किया था। पुतिन ने करीब 2 महीने पहले एक इंटरव्यू के दौरान अमेरिका को परमाणु हमले की चेतावनी दी थी। पुतिन ने कहा था, अगर अमेरिका अपने सैनिकों को यूक्रेन में भेजेगा तो इससे जंग और बढ़ सकती है। दरअसल, रूसी न्यूज एजेंसी ने पुतिन ने सवाल पूछा था कि क्या रूस परमाणु जंग के लिए तैयार है।

कश्मीर में मिली बड़ी सफलता

कुलगाम में 2 आतंकी ढेर

- लश्कर कमांडर बासित डार मारा गया, फायरिंग से घर में आग लगी, इसी में आतंकी छिपे थे

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में मंगलवार को मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को मार गिराया। मारा गया पहला आतंकी लश्कर का टॉप कमांडर बासित डार है। बासित पर 10 लाख रुपए का इनाम था। वह कश्मीर में कई लोगों की हत्या में शामिल रहा है। मारे गए दूसरे आतंकी का नाम फहीम अहमद है। वह ओवर ग्राउंड वर्कर था, जो आतंकियों की मदद करता था। हालांकि फहीम को लेकर अब तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। एनकाउंटर के दौरान सुरक्षाबलों ने उस घर में ब्लास्ट किया, जहां आतंकी छिपे थे। इससे घर में आग लग गई। मारे गए दोनों आतंकियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि उन्हें रेडवानी पाइन इलाके में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद सोमवार देर रात तलाशी अभियान शुरू किया गया, जो मुठभेड़ में बदल गया। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में 4 मई को एयरफोर्स जवानों पर हुए आतंकी हमले में पांच जवान घायल हुए थे। इलाज के दौरान एक जवान की मौत हो गई।

यह हमला पुंछ के शाहसितार इलाके में हुआ। आतंकियों ने सुरक्षाबलों के दो वाहनों पर भारी फायरिंग की। इसमें से एक वाहन एयरफोर्स का था। दोनों गाड़ियां सनाई टॉप जा रही थीं। आतंकियों की गोलियां वाहन के सामने और साइड वाले शीशे को पार कर गईं। सुरनकोट में 21 दिसंबर को सेना के काफिले पर आतंकियों ने हमला किया था। इसमें 5 जवान शहीद हो गए थे। वारदात को 4 आतंकियों ने अंजाम दिया था।

दिग्विजय के क्षेत्र में बंपर वोटिंग, भिंड रहा फिसड्डी

भोपाल। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में मध्यप्रदेश की 9 सीटों पर भी वोटिंग संपन्न हो गई है। शाम 5 बजे तक इन 9 सीटों पर 62.28 फीसदी मतदान हुआ है। सबसे ज्यादा दिग्विजय की सीट राजगढ़ में मतदान हुआ है। यहां 72.08 फीसदी वोटर अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके हैं। शिवराज की सीट विदिशा में 69.2 फीसदी तो सिंधिया की सीट गुना में 68.93 फीसदी वोटिंग हो चुकी है। सबसे कम भिंड सीट पर 50.96 फीसदी मतदान हुआ। मतदान केंद्रों पर सुबह के समय लंबी-लंबी कतारें नजर आई। हालांकि दोपहर में गर्मी बढ़ने के साथ ही ये संख्या कम हुई। शाम होते ही फिर से वोटर्स पोलिंग बूथों पर आने लगे। वोटिंग के दौरान कई जगहों पर छिटपुट घटनाएं सामने आई। कुछ जगहों पर लोगों ने वोटिंग का बहिष्कार भी किया। तीसरे चरण की 9 सीटों मुरैना, भिंड, ग्वालियर, गुना, राजगढ़, विदिशा, सागर, बैतूल और भोपाल पर कुल 127 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। जबकि एक करोड़ 77 लाख 52 हजार 583 मतदाता हैं। भिंड के सुरपुरा थाना क्षेत्र के भदौरिया पुरा में दो पक्षों में मारपीट हो गई।

- एमपी की 9 सीटों पर खत्म हुआ मतदान, मुरैना में व्यापारियों ने किया हंगामा
- भिंड में फर्जी मतदान पर दो पक्ष भिड़े; चंबल में दबंगों ने फूंका दलित का घर

भोपाल में भी मतदाताओं ने दिखाया बड़ा उत्साह

- सुबह के समय रही भारी भीड़, दोपहर के बाद फैला सन्नाटा
- फर्जी वोटिंग की सूचना पर ऐशबाग पहुंचे मंत्री विश्वास सारंग

भोपाल। भोपाल लोकसभा सीट के लिए तीसरे चरण में वोटिंग संपन्न हो गई है। शाम 5 बजे तक 59 प्रतिशत मतदान हो चुका है। इससे पहले दोपहर 3 बजे तक 50.16 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। जिसमें सबसे ज्यादा 61.38 फीसदी मतदान सीहोर विधानसभा में हुआ था। दोपहर एक बजे तक कुल 40.41 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके बाद दोपहर में कई पोलिंग बूथ पर सन्नाटा पसरा रहा। इक्का-दुक्का वोटर्स ही मतदान करने पहुंचे। इस बीच मंत्री विश्वास सारंग फर्जी वोटिंग की सूचना पर ऐशबाग पहुंचे। यहां एक महिला बिना आईडी के देखी गई। जिस पर उन्होंने नाराजगी जाहिर की। ग्रामीण और शहरी इलाकों के मतदान केंद्रों पर मतदान शुरू होने से पहले ही कतारें लग गईं थीं।

बिहार में कैदी को सिर पर बिठाकर नाच रही कांग्रेस

लालू पर कसा तंज, राजद सुप्रीमो ने कहा था-मुसलमानों को पूरा आरक्षण मिलना ही चाहिए

पटना (एजेंसी)। आरजेडी चीफ लालू प्रसाद यादव ने कहा कि मुसलमानों को पूरा रिजर्वेशन मिलना चाहिए। लालू ने पीएम मोदी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी संविधान और लोकतंत्र को

खत्म करना चाहते हैं ये बात जनता समझ गई है। लालू मंगलवार को एमएलसी के शपथ ग्रहण में विधान परिषद पहुंचे थे, जहां उन्होंने ये बयान दिया। पीएम मोदी ने मध्यप्रदेश के धार में चुनावी सभा के दौरान लालू के बयान पर पलटवार किया है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस चुप है, लेकिन आज उनके एक सहयोगी दल ने इंडिया गठबंधन के इरादों की पुष्टि कर दी। उनके नेता जो चारा घोटाले के मामले में जेल में हैं और कोर्ट से सजा पा चुके हैं,अभी जमानत पर बाहर आए हैं, उन्होंने कहा कि मुसलमानों को आरक्षण मिलना चाहिए, सिर्फ आरक्षण नहीं, उनका कहना है कि मुसलमानों को मिलना चाहिए पूर्ण आरक्षण। इसका अर्थ क्या है। ये लोग एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय को मिला सारा आरक्षण छीनकर मुसलमानों को पूरा आरक्षण देना चाहते हैं। बता दें कि पीएम मोदी लगातार इंडी गठबंधन के नेताओं पर आरोप लगा रहे हैं कि वो पिछड़ा, ओबीसी के आरक्षण को छीनकर मुसलमानों को देना चाहते हैं, जबकि संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं है।

आरक्षण सामाजिक होता है, धर्म के आधार पर नहीं दिया जा सकता

- मुस्लिम रिजर्वेशन पर घिरे लालू यादव ने पेश की सफाई

पटना (एजेंसी)। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने मुस्लिमों को आरक्षण देने वाले अपने बयान पर सफाई दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आरक्षण सामाजिक आधार पर होता है, धर्म के आधार पर नहीं होता है। लालू ने कहा कि मंडल कमीशन की सिफारिशें मैंने लागू किया था। बता दें कि कुछ घंटों पहले ही लालू यादव ने मुस्लिमों को आरक्षण देने की बात कही, जिस पर सियासी हंगामा मच गया। बीजेपी इसका जमकर विरोध कर रही है। लालू यादव ने मंगलवार सुबह पटना में दिए एक बयान में मुस्लिमों को आरक्षण देने की वकालत की। इसके बाद सियासी पारा गर्मा गया। बीजेपी और जेडीयू के नेताओं ने इसका विरोध किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मध्य प्रदेश की एक रैली में लालू के बयान का हवाला देते हुए इंडिया गठबंधन पर एससी, एसटी, ओबीसी का हक छिनने का आरोप लगाया।

केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर अटका 'सुप्रीम' फैसला

सुप्रीम कोर्ट की ओर से कोई आदेश नहीं, अब 9 मई को होगी सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत याचिका पर मंगलवार कोई फैसला नहीं आया। इस मामले में कोर्ट की ओर से कोई आदेश नहीं जारी किया गया और सुनवाई 9 मई या अगले हफ्ते में पूरी होगी। इससे पहले सुनवाई के दौरान पीठ ने दोनों पक्षों को सुना। केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी से कोर्ट ने पूछा कि क्या केजरीवाल को जमानत मिलने के बाद सरकारी फाइलों पर साइन करेंगे। सिंघवी ने कहा कि उनके मुवक्किल दिल्ली शराब नीति मामले में किसी तरह का हस्तक्षेप नहीं करेंगे। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर

दत्ता की बेंच ने ईडी के वकील से पूछा कि आपने बताया कि दिल्ली शराब घोटाले से 100 करोड़ धन मिला था, लेकिन यह 2-3 साल में 1100 करोड़ रुपये कैसे बन गया। यह तो बहुत तेजी से बढ़ने वाली राशि हो गई। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने ईडी के वकील से कई सवाल पूछे। ईडी की ओर से बोलते हुए एसवी राजू ने बताया कि जब हमने जांच शुरू की थी, तब यह सीधे तौर पर केजरीवाल के खिलाफ नहीं थी। हमें जांच के दौरान उनकी भूमिका के बारे में पता चला था। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से केजरीवाल की गिरफ्तारी, उसमें लेटलतीफी और कार्रवाई पर भी सवाल उठाया।

पतंजलि पर तो सवाल उठा रहे, पर आपने क्या किया

अब आईएमए को झटका, सुप्रीम कोर्ट ने की जमकर खिंचाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ भ्रामक विज्ञापन का केस दायर करने वाले आईएमए की ही अब सुप्रीम कोर्ट ने खिंचाई की है। अदालत की फटकार के बाद बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने निजी

तौर पर माफी मांगी थी। इसके बाद अखबारों में विज्ञापन निकालकर भी माफी मांगी गई थी। इसके बाद आईएमए के अध्यक्ष डॉ. आरवी अशोकन ने इंटरव्यू में एक बयान दिया था, जिसके चलते वह निशाने पर हैं। अदालत की सुनवाई के दौरान एलोपैथी के डॉक्टरों पर की गई टिप्पणी पर बात करते हुए अशोकन ने बेंच पर ही सवाल उठा दिए थे। इसी के खिलाफ अब पतंजलि ने अब आईएमए पर अवमानना की याचिका दाखिल की है। इसी पर सुनवाई करते हुए मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने आईएमए की खिंचाई की। इस तरह नजारा बदला हुआ दिखा और जो अदालत अब तक पतंजलि की खिंचाई कर रही थी, उसी ने आईएमए के रवैये पर सवाल उठाए।

नौकरियों की कमी है, अगर जनता का भरोसा चला गया तो कुछ नहीं बचेगा

- बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले को लेकर एससी ने कहा-यह सिस्टमैटिक फ्रॉड है

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाले को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की खिंचाई की है। अदालत ने 25 हजार शिक्षकों की नियुक्ति रद्द किए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने बंगाल सरकार से तीखे सवाल पूछते हुए कहा कि आखिर जब नियुक्ति प्रक्रिया पर ही सवाल उठ रहे थे तो फिर अतिरिक्त पद क्यों निकाले गए। यही नहीं वेटिंग लिस्ट में रहने वाले कैंडीडेट्स तक को क्यों नियुक्ति मिल गई। वहीं बंगाल सरकार के वकील नीरज किशन कौल ने कहा कि यह तो सीबीआई ने भी नहीं कहा है कि 25 हजार शिक्षकों की नियुक्ति अवैध है। हर चीज शिक्षक और छात्र अनुपात के मुताबिक थी। वहीं बंगाल सरकार के एक अन्य वकील जयदीप गुप्ता ने कहा कि हाई कोर्ट का फैसला ही गलत है, जिसमें उसने शिक्षकों की नियुक्ति को रद्द कर दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसा फैसला देना तो हाई कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में ही नहीं है और सुप्रीम कोर्ट के ही फैसले के विपरीत है। इस पर चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि भर्ती परीक्षा से जुड़ी कॉपियां क्यों खत्म कर दी गई हैं।

बंगाल-असम में बंपर वोटिंग, बिहार-महाराष्ट्र पिछड़े

11 राज्यों की 93 सीटों पर मतदान खत्म,3 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। 10 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की 93 लोकसभा सीटों पर मंगलवार सुबह 7 बजे से जारी वोटिंग शाम छह बजे खत्म हो गई है। चुनाव आयोग के मुताबिक, 64.08 फीसदी लोगों ने वोट डाले। असम में सबसे ज्यादा 75 फीसदी, सबसे कम महाराष्ट्र में 53 फीसदी लोगों ने मतदान किया। बिहार में वोटिंग के दौरान पीठासीन अधिकारी और होमगार्ड जवान की मौत हो गई है। छत्तीसगढ़ के जशपुर में मतदान करने पहुंचे एक बुजुर्ग वोटर की मौत हो गई। वहीं, पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद के भाजपा कैंडीडेट और टीएमसी समर्थक के बीच झड़प हुई है। यूपी के संभल में पुलिस ने लोगों पर लाठीचार्ज किया। इसमें कुछ लोग घायल हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद स्थित निशान हायर सेकेंडरी स्कूल में वोट डाला। उनके साथ गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री सफेद कुर्ता-पायजामा और भगवा जैकेट पहने हुए थे। वहीं अमित शाह सफेद कुर्ता-पायजामा के साथ भगवा रंग का गमछा लिए हुए थे। पीएम मोदी कार से उतरने के बाद अमित शाह के साथ पैदल ही लोगों का अभिवादन करते हुए बूथ तक पहुंचे और मतदान किया। वोट डालने के बाद प्रधानमंत्री ने बच्चों के हाथ पर ऑटोग्राफ दिया। लोगों के साथ तस्वीरें क्लिक करवाईं। एक बच्ची को गोद में लेकर हवा में उछाला। मीडिया से बातचीत में उन्होंने लोगों से बड़ी संख्या में वोटिंग की अपील की। साथ ही खूब सारा पानी पीने को कहा। इस चरण में मैदान में कुछ हाई-प्रोफाइल नामों में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हैं।

नाव से बूथ तक पहुंचे वोटर्स,महिलाओं का भी जोश हाई

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में बिहार की 5 सीटों पर मंगलवार को वोटिंग हो रही है। इसमें मधेपुरा, सुपौल, अररिया, खगड़िया और मिथिलांचल का झंझारपुर शामिल हैं। वोटिंग के दौरान कई ऐसी तस्वीरें सामने आई, जिसे लोकतंत्र की खूबसूरती से नवाजा जा सकता है। कई बूथ पर महिला वोटर्स की लंबी कतार नजर आई तो कहीं पहली बार मतदान की करने की खुशी नजर आई। कहीं दिव्यांगता को हरा मतदान के लिए बुजुर्ग महिला बूथ तक पहुंचीं।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, बुधवार 08 मई , 2024

संक्षिप्त समाचार

श्रमिकों को सात मई को सवैतनिक अवकाश

विदिशा ,निप्र। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के प्रावधानानुसार समस्त विधानसभाओं के क्षेत्रों में आने वाले सभी कारोबार, व्यवसाय औद्योगिक उपक्रम या किसी अन्य स्थापना में नियोजित प्रत्येक व्यक्ति को, चाहे वह दैनिक मजदूर या आकस्मिक श्रमिक श्रेणी का ही हो, जो लोकसभा आम निर्वाचन-2024 में मतदान करने का हकदार है, को मतदान के दिन सवैतनिक अवकाश मंजूर किया जाना आवश्यक है। कामगार किसी ऐसे उद्योग या स्थापना में नियोजित है जो उस विधानसभा क्षेत्र से बाहर है जहाँ आम निर्वाचन हो रहे हैं, उन्हें मतदान के लिए सवैतनिक अवकाश की पात्रता होगी। सात मई 2024 को मतदान दिवस के दिन जिले के समस्त कारखानों के अधिभोगीगणों प्रबंधकों तथा दुकानों, व्यवसायियों, कारोबारियों एवं वाणिज्यिक स्थापनाओं के नियोजक तथा प्रबंधकों को श्रमिकों को सवैतनिक अवकाश प्रदाय करने के निर्देश दिए गये है।

नगर में धार्मिक आयोजन,जयस्तंभ चौक पर हनुमान चालीसा का पाठ

इटारसी,निप्र। शहर के जयस्तम चौक श्री हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। यह आयोजन नगर टोली के दो साल पूरे होने किया गया। हनुमान चालीसा पाठ की शुरुआत की गई जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं की टोली के सदस्यों ने ढोल मजीरे के साथ संगीतमय हनुमान चालीसा का पाठ किया। बड़ी संख्या में यहां पर हनुमान चालीसा का पाठ करने श्रद्धालु और गणमान्य नागरिक पहुंचे हुए थे। पाठ रात 8:30 बजे तक चला। हनुमान चालीसा के उपरांत हनुमान जी की आरती के अलावा भारत माता की आरती भी की गई। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष, भाजपा मंडल अध्यक्ष सहित नगर टोली के अनेक सदस्य गण मौजूद रहे।

फिलिपीन्स और श्रीलंका के 11 सदस्य अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि मंडल का विदिशा भ्रमण प्रस्तावित कार्यक्रम

विदिशा,निप्र। लोकसभा निर्वाचन-2024 के तीसरे चरण की संपूर्ण प्रक्रियाओं का अवलोकन व अध्ययन करने फिलीपीन्स और श्रीलंका का 11 सदस्यीय अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि मंडल (इंटरनेशनल डेलीगेशन) मतदान तिथि सात मई को विदिशा पहुंचकर विभिन्न मतदान केन्द्रों का भ्रमण करेगा। इन्टरनेशनल डेलीगेशन में फिलीपीन्स के कमीशन ऑन इलेक्शन्स की एसोसिएट कमिश्नर सुश्री सोकोर्रो बी. इंटिंग, डायरेक्टर सुश्री सेलिया बी. रोमेरो एवं एग्जीक्युटिव असिस्टेंट सुश्री लेसली एन सी. कॉनक्विला विदिशा आएंगे। इसी तरह श्रीलंका के प्रेसीडेंशियल कमीशन ऑफ इन्क्वायरी टू मेक रिकमंडेशन्स फॉर इलेक्शन लॉ रिफार्म्स के चेयरमैन जस्टिस वीवेज प्रियसथ गेरार्ड डेप , कमीशन मेम्बर श्री सुंथारम अरूमैनायाहम, कमीशन मेम्बर श्री अलीसंदारालेज सेनानायके, कमीशन मेंबर श्री अहमद लेब्बे मोहम्मद सलीम, कमीशन मेंबर सुश्री निमालका फर्नान्डो, कमीशन मेंबर श्री विथारानागे दीपानी सामंथा रॉडरिगो, कमीशन मेंबर श्री एलन करमाइकल वेरे तंबिनायागम डेविड सहित कमीशन सेकेट्री श्री माधवा देवा सुरेन्द्र विदिशा भ्रमण के दौरान मतदान केन्द्र क्रमांक 094 सुनपुरा, मतदान केन्द्र क्रमांक 082 बागरी, मतदान केंद्र क्रमांक 104 आरटीओ कार्यालय, विदिशा, मतदान केन्द्र क्रमांक 184 ट्रिनिटी कान्वेंट स्कूल, मतदान केन्द्र क्रमांक 236 चिड़ौरिया पहुंचकर तीसरे चरण की संपूर्ण मतदान प्रक्रियाओं का अवलोकन करेंगे। सात मई को यह डेलीगेशन विदिशा जिले के मतदान केन्द्रों में चल रही मतदान प्रक्रिया का स्पॉट विजिट कर मतदाताओं से चर्चा भी करेगा। डेलीगेशन इसी दिन भोपाल से प्रस्थान करेगा।

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर बोली:

किसानों को गेहूं उपार्जन का भुगतान समय पर बोरवेल-ट्यूबवेल के गड्ढों को खुला न छोड़े

नर्मदापुरम,निप्र। नर्मदापुरम में सोमवार को समय सीमा की बैठक में कलेक्टर सोनिया मीना ने निर्देश दिए कि जिले में कहीं भी बोरवेल एवं ट्यूबवेल के गडढे खुले ना रखे जाएं। गड्ढे खुले रहने पर किसी के भी गिरने से दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। इसलिए पीएचई, सभी नगरपालिका सीएमओ व जनपद पंचायत के सीईओ को निर्देश दिए कि वह अपने क्षेत्र के गांव एवं नगर में यह कहीं पर भी खेत में या अन्य स्थान पर खुले बोरवेल एवं ट्यूबवेल को बंद करें। सभी संबंधित अधिकारी एक सप्ताह के अंदर सर्वे कराकर अपने रिपोर्ट से जिला प्रशासन को प्रमाण पत्र दें कि उनके अधिकृत क्षेत्र में कहीं भी गड्ढे खुले नहीं है। कलेक्टर ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत को भी निर्देश दिए की वे जिला एवं तहसील स्तर पर समिति बनाकर सर्वे कराने का कार्य करें। यदि कहीं पर भी ट्यूबवेल या बोरवेल के गड्ढे खुले हो तो कोई भी व्यक्ति यहां पर अपनी शिकायत कर सकता है। शिकायत करने पर संबंधित विभाग द्वारा तत्काल निराकरण भी होगा। गेहूं उत्पादन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि गेहूं का जितना उठाव हो रहा है उतना ही परिवहन भी होता रहे। किसानों को गेहूं उपार्जन का भुगतान समय पर हो। कलेक्टर ने कहा कि जितने भी जांच वाले वेयरहाउस हैं उनकी नास्ति जल्द प्रस्तुत की जाए। कलेक्टर ने कहा मटकुली और उसके आसपास बंदरों की बहुतायत से आम लोग परेशान हो रहे हैं। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व एवं वन विभाग की टीम बंदरों को पकड़ कर जंगल में छोड़े। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि सभी स्कूलों में 2 घंटे के लिए समर कैंप आयोजित होंगे। जहां बच्चों से विभिन्न एक्टिविटी कराई जाएगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि सिकल सेल एनीमिया के तहत इस वर्ष दिए गए लक्ष्य में से 85 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है। अभी भी केसला ब्लॉक में घर-घर एवं स्कूलों में लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर सिकल सेल एनीमिया की पहचान की जा रही है। ट्राइबल हॉस्टल में भी स्वास्थ्य जांच कर ली गई है। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत, अपर कलेक्टर डीके सिंह, एसडीएम नर्मदापुरम नीता कोरी, डिप्टी कलेक्टर अनिल जैन, सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सात आदतन अपराधियों पर जिला बदर एवं दो अपराधियों पर एनएसए की कार्यवाही

विदिशा,निप्र। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने जिले के 07 आदतन अपराधियों को एक-एक वर्ष के लिए जिला बदर कार्यवाही व एक अनावेदक को छः माह की कालावधि के लिए तथा गंभीर अपराध घटित करने वाले दो अनावेदको के विरूद्ध रास्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत कार्यवाही के आदेश पारित किये हैं। इन अपराधियों द्वारा गंभीर अपराध घटित करने जैसे लोगो के साथ मारपीट करना, जान से मारने की धमकी देना, हत्या अडीबाजी, बलवा जैसे जघन्य सामाजिक अपराध घटित कर माहौल खराब कर आमजनों को परेशान करने के कारण, पुलिस अधीक्षक विदिशा के प्रतिवेदन एवं सुनवाई, पक्ष समर्थन पश्चात मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 (क) (ख) के अधीन एक-एक वर्ष की कालावधि के लिए जिला विदिशा एवं सीमावर्ती जिले, रायसेन, भोपाल, गुना, अशोकनगर, सागर एवं राजगढ की राजस्व सीमाओं से अनावेदक सुदीप पाल पुत्र पप्पू उर्फ मथुरा प्रसाद पाल, आयु 24 साल निवासी शंकरजी की मढिया के पास पीतलमील, थाना सिविल लाईन विदिशा, अनावेदक भूरा पंथी पिता रामचरण पंथी उम्र 48 साल निवासी ग्राम ओखलीखेडा, थाना आनंदपुर छः माह की कालावधि हेतु, अनावेदक विजय दांगी पुत्र रामदास दांगी, उम्र 30 साल निवासी ग्राम इकोदिया, थाना गुलाबगंज, अनावेदक भूरा उर्फ गौरव सूर्यवंशी पुत्र रामदास, आयु 22 साल निवासी पुरनपुरा चैराहा जिम के सामने, थाना सिविल लाईन विदिशा, अनावेदक राजा उर्फ घनश्याम वंशकार पिता हरिसिंह वंशकार, उम्र 22 साल निवासी रामनगर कालोनी गंजबासौदा, थाना बासौदा शहर, अनावेदक अजय राजपूत पिता चैनसिंह, किले अंदर बैस दरवाजा, विदिशा, थाना कोतवाली विदिशा, अनावेदक ज्ञान सिंह राजपूत पुत्र भंवर सिंह राजपूत उम्र 40 साल निवासी ग्राम रूसल्हीदामा, थाना पथरिया, जिला विदिशा (म.प्र.) को एक-एक वर्ष की कालावधि के लिए जिला बदर निष्कासन के आदेश दिये गये हैं। गंभीर आदतन अपराधी निहाल सिंह राजपूत पुत्र कमल सिंह राजपूत उम्र 38 साल नि. किलेअंदर चोपड़ा विदिशा एवं रविकांत पिता कृष्णकांत मलैया उम्र 27 साल निवासी बेदनखेडीटपरिया गंजबासौदा जिला विदिशा, को रास्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत कार्यवाही कर केन्द्रीय जेल भोपाल में आगामी आदेश तक निरूद्ध किये जाने का आदेश भी पारित किया गया है। आदेश में उल्लेखित किया गया है कि उक्त अनोवदक एक वर्ष की कालावधि के लिए जिला बदर निष्कासन के दौरान विदिशा एवं सीमावर्ती जिले , रायसेन, भोपाल, गुना, अशोकनगर, सागर एवं राजगढ़ की राजस्व सीमाओं में भी नही रह सकेगें।

ठगों की जानकारी जुटाने छत्तीसगढ़ पहुंची नर्मदापुरम पुलिस

जप्त स्कूटर चुराई होने की आशंका, इटारसी में पीआर पर लिया आरोपी

नर्मदापुरम,निप्र। नर्मदापुरम, इटारसी में सराफा व्यापारियों को डिजिटल पेमेंट का फर्जी मैसेज दिखाकर ठगने वाले ठगों ने प्रदेश के कई जिलों में वारदातें की है। खुलासे के बाद दूसरे जिलों की पुलिस भी नर्मदापुरम पुलिस से संपर्क कर रही है। दोनों आरोपी प्रतीक आचार्य (23)और मनीष कौशिक(22) दोनों निवासी भिलाई छत्तीसगढ़ को इटारसी पुलिस ने पुलिस रिमांड पर लिया है। इटारसी में सराफा व्यापारी की शॉप पर की ठगी के संबंध में पूछताछ व जेबर की जप्ती की जाएगी।

झवहीं आरोपियों से जो स्कूटर पुलिस ने जप्त की है। वो चुराई होने की आशंका है। आरोपियों ने भिलाई छत्तीसगढ़ से ये स्कूटर चुराई है। आरोपियों की कुंडली छानने नर्मदापुरम कोतवाली थाने की पुलिस छत्तीसगढ़ पहुंची हुई है। दो सदस्यीय टीम आरोपी व स्कूटर की जानकारी जुटा रही है। आरोपियों के परिजन भी आज मंगलवार को नर्मदापुरम पहुंचे है।

कोतवाली थाना टीआई सौरभ पांडे ने बताया ठगी करने वाले आरोपियों को इटारसी पुलिस पीआर पर ले गई है। सतना, रीवा, कटनी, बैतूल पुलिस भी वारदातों के संबंध में आरोपियों से पूछताछ करेगी। जो स्कूटर जप्त हुई, वो हमें चुराई हुई होने की आशंका है। जिसकी पुष्टि के लिए टीम भिलाई गई है।

शाहगंज के जंगल में मिला इटारसी से चोरी हुआ ट्रक

3दिन पहले चोरी हुआ था, आरोपी को तलाश रहीं पुलिस

नर्मदापुरम,निप्र। नर्मदापुरम जिले के इटारसी में कृषि उपज मंडी खेड़ा क्षेत्र से रहस्मयरूप से चोरी हुआ गेहूं से भरा ट्रक शाहगंज के जंगल में लावारिस तरह से खड़े मिला। लेकिन ट्रक में न ड्राइवर मिला और न चुराने वाला व्यक्ति। इटारसी पुलिस ने सीहोर जिले के शाहगंज-भोपाल रोड पर खटपुरा के पास जंगल से ट्रक को बरामद किया। ट्रक 3 मई की रात्रि में रहस्यमय ढंग से चोरी हुआ था। पुलिस ने ट्रक चोरी होने की घटना को अपने लिए चुनौती माना और 3 दिन में ही ट्रक को तलाश लिया। ट्रक और उसका अनाज तो सही सलामत मिल गया है मगर ट्रक को चुराने वाले के बारे पुलिस कुछ पता नहीं लगा सकी है।

पुलिस जांच करने का तर्क दे रही। सिटी थाना टीआई गौरव बुंदेला ने बताया ट्रक गोयल ट्रांसपोर्ट कंपनी का है। जिसमें 25 टन गेंहू भरा हुआ था। गेहूं सरकारी था। जिसकी कीमत 6 लाख रुपए है। ट्रक 16 लाख रुपए का है। ट्रक चोरी होने की सूचना मिलते ही तीन टीम बनाई गई। टीम ने सीहोर, भोपाल के साथ अन्य जिलों में ट्रक की खोजबीन की गई। गेहूं से भरा ट्रक आज टीम को खटपुरा के पास जंगल में घाट क्षेत्र में मिला। पुलिस चोरी करने वाले आरोपी की तलाश कर रही है। ट्रक की खोजबीन करने में महत्वपूर्ण भूमिका टीआई गौरव सिंह बुंदेला के नेतृत्व में एसआई राधेश्याम पंवार, प्रधान आरक्षक हेमंत तिवारी, भागवेन्द्र, अशोक चौहान, भूपेंद्र मिश्रा, प्रदीप चौधरी, आरक्षक हरीश डिगरसे, अविनासी, राजेश पंवार, सायबर सेल अभिषेक नरवरिया, जितेंद्र सेजकर, तुलसी, शकीर खान एवं अमित राय की रही।

वैध शराब ब्रिकी से नर्मदापुरम विधायक नाराज

नर्मदापुरम,निप्र। नर्मदापुरम के रसूलिया गीता भवन के पास अवैध शराब ब्रिकी व घर के सामने शराब पीने से रोकने पर एक परिवार पर हमले की घटना को नर्मदापुरम विधायक डॉक्टर सीतासरन शर्मा ने संज्ञान लिया। सोमवार दोपहर में विधायक डॉक्टर शर्मा रसूलिया गीताभवन क्षेत्र में उक्त रहवासी व पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। विधायक ने कॉलोनी की महिला-पुरुषों से बातचीत की। रहवासियों को आश्वास्त किया कि अवैध शराब समेत किसी भी प्रकार की अवैधानिक गतिविधियों का संचालन नहीं होने दिया जाएगा। विधायक डॉक्टर शर्मा के उक्त क्षेत्र से लौटने के कुछ देर बाद ही नगरपालिका व देहात थाना पुलिस ने गीताभवन के पास स्थित अवैध गुमठी को तोड़ने पहुंची। जेसीबी से उक्त गुमठी को तोड़ा गया। शराब माफियों द्वारा उक्त गुमठी से अवैध तरह से शराब बेची जा रही थी। विधायक डॉक्टर शर्मा ने शहर में शराब के अवैध तरह से चल रहे धंधे से नाराजगी व्यक्त की। विधायक ने कहा शहर में अवैध शराब बिक्री सहित किसी भी प्रकार की अवैधानिक गतिविधि का संचालन नहीं होने दिया जाएगा। अवैध शराब ब्रिकी व अवैधानिक गतिविधियों के संचालन को रोकने के लिए एसपी से बात करेंगे। विधायक डॉक्टर शर्मा ने कहा मैंने अखबार व सोशल मीडिया पर खबर पढ़ी थी कि रसूलिया क्षेत्र में अवैध शराब ब्रिकी होती है, अवैध शराब को लेकर एक परिवार पर चाकू से हमला भी हुआ। पीड़ित परिवार व रहवासियों से मिलने के लिए पहुंचा था। रहवासी डरे हुए थे। मैंने आश्वस्त किया कि अवैध शराब बिक्री समेत किसी भी प्रकार की अवैधानिक गतिविधि नहीं होने दिया जाएगा। अवैध शराब ब्रिकी के अड्डे गुमठी को नपा से तुड़वा दिया है। स्कूटी से भी अवैध शराब बिकने की जानकारी है। उसे भी पकड़ा जाएगा।

विधानसभा-लोकसभा चुनाव ड्यूटी में व्यस्त रहे शिक्षक

सरकारी स्कूलों का गिरा परिणाम, खराब रिज़ल्ट देने वाले टॉप-10 में सोहागपुर के 5 स्कूल

नर्मदापुरम,निप्र। नर्मदापुरम जिले के सरकारी स्कूलों के कई शिक्षक पिछले सत्र में विधानसभा व लोकसभा चुनाव ड्यूटी के व्यस्त रहे। यहीं कारण है कि पढ़ाई छोड़कर शिक्षकों से दूसरे काम कराने में सरकारी स्कूलों का परिणाम बोर्ड परीक्षा में खराब रहा।

रिज़ल्ट बिगड़ने के पीछे दूसरा कारण वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सही तरह से मॉनिटरिंग नहीं कर पाना भी रहा है। अफसर निरीक्षण तो करने पहुंचे, लेकिन वो औपचारिक निरीक्षण ही रहा। जमीनी हकीकत को नहीं जाना, कि बच्चों को कितना पढ़ाया गया है या नहीं।

जिले में कक्षा 10वीं का 56.83प्रतिशत रहा। जो पिछले की अपेक्षा इस बार एक प्रतिशत कम हुआ। 12वीं के रिजल्ट में 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम 68.25 प्रतिशत रहा। पिछले साल 40प्रतिशत रिजल्ट आया था।10 वीं में ऐसे 36 स्कूल है, जिनका रिज़ल्ट 30 फीसदी से कम है। सूची में सोहागपुर, माखननगर और सिवनी मालवा ब्लॉक का नाम बेकार रिज़ल्ट देने में छाया हुआ है। 10वीं के बेकार रिज़ल्ट देने वाले स्कूलों के टॉप-10 में सोहागपुर के 5 स्कूल शामिल है। जिनमें शासकीय हाईस्कूल मगरिया सबसे पहले नंबर पर है। यहां 25 में 22 विद्यार्थी फेल हुए। मात्र 1 विद्यार्थी पास और 2 विद्यार्थी को सप्लीमेंट्री आई है। अच्छी शिक्षा देने की तर्ज पर शुरू की शासकीय मॉडल स्कूल निभौंरा का रिज़ल्ट भी 10 वीं में 15.8फीसदी रहा। 38 में से 6 विद्यार्थी ही पास हुए। 26 फेल और 6 को सप्लीमेंट्री आई है। बोर्ड के रिज़ल्ट से जिले की सरकारी नामी स्कूलों ने नाम डुबाया है। परीक्षा परिणाम की आज मंगलवार को कलेक्टर सोनिया मीना की अध्यक्षता में समीक्षा की जाएगी। लगातार बेकार रिज़ल्ट देने वाले स्कूल के प्राचार्य और स्कूल स्टॉफ को कार्रवाई का डर सता रहा हैं। बेकार रिज़ल्ट से निराश करने वाले स्कूलों के अलावा कुछ स्कुल ऐसे भी है। जिन्होंने 100 फीसदी रिज़ल्ट दिया है। जिनमें आदिवासी ब्लॉक, जनजातीय कार्य विभाग के 3 स्कूल और एक शिक्षा विभाग का है। 12वीं में भी श्रेष्ठ 100 फीसदी रिजल्ट देने वाली स्कूलों में आदिवासी ब्लॉक, जनजातीय कार्य विभाग की 2 स्कूल है। इन स्कूल के प्राचार्य और शिक्षक सम्मान और प्रोत्साहन के हकदार है।

10 वीं में 30त्न से कम रिजल्ट देने वालों में 36 स्कूल : कक्षा 10 वीं में 166 में से 36 स्कूल ऐसी जिनका रिज़ल्ट 30 फीसदी से कम है। बेकार रिज़ल्ट देने वाले टॉप-10 में शासकीय हाई स्कूल मगरिया सोहागपुर, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल खारदा माखननगर, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल चतरखेड़ा सिवनीमालवा शासकीय हाई स्कूल गड़ाघाट पिपरिया, गर्ल्स हाईस्कुल घाटली केसला, शासकीय मॉडल स्कूल निभौंरा, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल सेमरी हरचंद शासकीय हाई स्कूल झकलाय सिवनी मालवा, शासकीय हाई स्कूल खाड़ा देवरी, शासकीय हाई स्कूल बांसखापा सबसे ऊपर है।

12 वीं में 30त्न से कम रिजल्ट देने वालों में 5 स्कूल : कक्षा 12 में 77 स्कूल में से 5 स्कूल ऐसी है। जिनका रिज़ल्ट 30 फीसदी से कम है। कम रिज़ल्ट देने वालों में सबसे आगे शासकीय उमावि खारदा है। जिसका 12 वीं रिज़ल्ट 18.2 प्रतिशत है। 10 वीं में इस स्कूल का नाम सूची में दूसरे नंबर पर है। यहां 6.6 फीसदी रिज़ल्ट रहा। शासकीय हायर सेकंडरी स्कुल मालापाट सिवनीमालवा, शासकीय उमावि बालक सेमरी हरचंद और शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल चतरखेड़ा सिवनी मालवा, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल सांगाखेड़ा कला माखननगर का रिज़ल्ट 30 प्रतिशत से कम रहा।

आदिवासी ब्लॉक की स्कूलों ने दिया 100फीसदी रिज़ल्ट

10 वीं और 12 वीं बेकार रिज़ल्ट देने के अलावा ऐसे 5 स्कूल भी है। जहां के शिक्षकों ने बच्चों के साथ मेहनत की और 100 रिज़ल्ट दिया है। 4 स्कूल जनजातीय कार्य विभाग और आदिवासी ब्लॉक के है। शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल जुझारपुर, शासकीय हाईस्कूल गौचीतरोंदा, ज्ञानोदय विद्यालय नर्मदापुरम और शासकीय हायर सेकंडरी स्कुल घुघवासा यहां 100 फीसदी रिज़ल्ट रहा है। शासकीय हाई स्कूल तवानगर का 96.9 प्रतिशत रहा है। कक्षा 12 वीं में शासकीय हायर सेकंडरी स्कुल आनंदनगर नर्मदापुरम और शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल जुझारपुर का रिज़ल्ट 100 फीसदी रहा है।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...
इंदौर पाती
3
इंदौर, बुधवार 08 मई , 2024

300 बसों के लिए तैयार किए चार विशालकाय पार्किंग स्थल

इन्दौर। नेहरू स्टडियम में मतदान सामग्री लाने-ले जाने के लिए आने वाली बसोंके लिए विशालकाय पार्किंग स्थल निगम द्वारा रेडियो कॉलोनी, जिला जेल और उसके आसपास के क्षेत्रों में तैयार किए गए हैं, ताकि वहां बसें पार्क हो सकें। इसके अलावा कुछ अन्य वाहनों के लिए भी पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। मतदान सामग्री वितरण के दौरान बड़ी संख्या में वाहनों का काफिला नेहरू स्टेडियम क्षेत्र में जमा हो जाता है।पिछले पांच दिनों से नगर निगम वर्कशॉप विभाग की टीम ने स्टेडियम जिमखाना क्षेत्र में खाली पड़ी जमीन पर वाहनों और बसों की पार्किंग के लिए तमाम तैयारियां की। इसके साथ-साथ रेडियो कालोनी पानी की टंकी, जिला जेल के समीप और बंगला नंबर तीन के पास खाली पड़े मैदानों का चयन किया गया था और अफसरों के निर्देश के बाद वहां कार्य शुरू कराए गए। ऊबड़-खाबड़ जमीन को समतल किया गया है, ताकि वाहनों की पार्किंग आसानी से हो सके। अफसरों का कहना है कि करीब 300 से ज्यादा बसें और अन्य वाहन वहां पार्क किए जा सकेंगे। इसके लिए कुछ निगम कर्मियों की तैनाती भी वहां रहेगी, ताकि किसी प्रकार की दिक्कत न आए। हर बार एक साथ बड़ी संख्या में नेहरू स्टेडियम पर चुनाव प्रचार सामग्री लाने-ले जाने के लिए वाहनों का अंबार लग जाता है और ऐसे में तमाम दिक्कतें होती हैं, जिसके चलते इस बार वहां आसपास के हिस्सों में पार्किंग स्थल बनाया गया है और अपना नंबर आने तक वाहन वहां पार्क किए जा सकेंगे। स्टेडियम क्षेत्र के आसपास के हिस्सों में पार्किंग की जगह नहीं होने के चलते आसपास के क्षेत्रों में वाहनों के लिए पार्किंग स्थल बनाए गए हैं।

पीएम आवास योजना में फ्लैट बुक कराने वालों को 15 दिनों में राशि जमा कराने के थमाए नोटिस

इंदौर। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनी मल्टियों में एजेंसी के माध्यम से फ्लैट बुक कराकर राशि जमा नहीं करने वाले लोगों को निगम ने 15 दिनों का अल्टीमेटम दिया है, अन्यथा उनके फ्लैट आवंटन निरस्त कर दिए जाएंगे। पहले दौर में ऐसे 20 लोगों को नोटिस दिए गए हैं और आने वाले दिनों में थोकबंद नोटिस दिए जाएंगे। शहर के कई इलाकों में नगर निगम द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मल्टियों का निर्माण किया जा रहा है। इनमें भूरी टेकरी, पलाश परिसर, बांगड़दा, सिलिकॉन सिटी के समीप, राऊ, देवगुराडिया आदि क्षेत्रों में मल्टियों का निर्माण कार्य जारी है। पिछले दिनों इस योजना में हो रही गड़बडियों को अफसरों ने पकड़ा था और एजेंसी के माध्यम से फ्लैट बुक कर ऊंचे दामों पर बेचने के मामले में कंपनी को हटा दिया गया था। उसके बाद से पूरे मामले की जांच चल रही है। जिन लोगों ने फ्लैट बुक कराए थे, उनमें से अधिकांश ने 5 या 10 प्रतिशत की राशि ही निगम में जमा की थी, शेष राशि महीनों से जमा नहीं की गई थी। निगम अधिकारी डीआर लोधी के मुताबिक 20 से ज्यादा लोगों को 15 दिनों की मोहलत देकर नोटिस थमाए गए हैं और चेतावनी दी गई कि राशि जमा कर दें, अन्यथा उनके फ्लैट आवंटन निरस्त कर दिए जाएंगे। पूर्व में कई ऐसे लोगों द्वारा बुक कराए गए फ्लैट की राशि के मामले में पड़ताल चल रही है और उन्हें भी नोटिस दिए जाने की तैयारी है।

इंदौर में मतदान के दिन सभी मतदान केन्द्र धूम्रपान से रहेंगे मुक्त, उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

इंदौर। इंदौर जिले में 13 मई 2024 को मतदाता अपना मत देने मतदान केन्द्र जायेंगे। उक्त दिवस सभी मतदान केन्द्रों पर धूम्रपान प्रतिबंधित रहेगा। इस संबंध में कलेक्टर आशीष सिंह ने निर्देश जारी करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों से कहा है कि वे धूम्रपान प्रतिबंधित क्षेत्र और तंबाखू मुक्त परिसर बनाने संबंधी सूचना बोर्ड सभी मतदान केन्द्रों पर लगवाये। उक्त प्रतिबंधित क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति धूम्रपान करते हुए पाया जाता है तो उस पर नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी। जिले के सभी मतदान केन्दों को गैर-धूम्रपान क्षेत्र घोषित करते हुए इस संबंध में सूचना बोर्ड भी लगाया जायेगा। साथ ही तंबाखू मुक्त परिसर के बोर्ड भी मतदान केन्द्रों पर लगेंगे।

लू से बचने के लिए एडवाइजरी जारी

इंदौर। ग्रीष्म ऋतु में लू लगने से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती है। वृद्ध, बच्चे, खिलाड़ी, धूप में काम करने वाले श्रमिक सर्वाधिक खतरे में रहते हैं। पसीना न आना, गर्म-लाल एवं शुष्क त्वचा, मतली, सिरदर्द, थकान, चक्कर आना, उल्टियां होना, बेहोश हो जाना एवं पुतलियां छोटी हो जाना इसके प्रमुख लक्षण एवं संकेत हैं। लू लगने पर शरीर का तापमान 104 डिग्री फारेनहाईट तक पहुँच जाता है। यह स्थिति धीरे-धीरे हो सकती है या एकाएक भी आ सकती है। तेज धूप और गर्मी में ज्यादा देर तक रहने से शरीर में पानी और नमक की कमी हो जाती है, इससे बचाव के लिए जरुरी है कि बहुत अधिक समय तक धूप के सीधे संपर्क में न रहें। गर्मी व लू से बचाव के लिए खूब पानी पिएं व खाली पेट न रहें, शराब व केफिन के सेवन से बचें, ठण्डे पानी से नहाएं, सर ढके व हल्के रंग के ढीले व पूरी बांह के कपड़े पहने, बच्चों को बंद वाहनों में अकेला न छोड़े, दिन में दोपहर 12 बजे से शाम 04 बजे के मध्य बाहर जाने से बचें, धूप में नंगे पाँव न चलें, बहुत अधिक भारी कार्य न करें। बाहर निकलना आवश्यक हो तो छतरी व धूप के चश्मे का उपयोग करें, धूप में निकलने से पहले कम से कम दो गिलास पानी अवश्य पिएं, बुखार व लू लगने पर निकट के अस्पताल में संपर्क कर आवश्यक दवा का उपयोग सुनिश्चित करें। ह्रक्रस. का घोल, नारियल पानी, छाछ, नींबू पानी, फलों का रस इत्यादि का सेवन लाभदायक होता है। ये सभी उपाय कर हम लू से बच सकते हैं।

प्रिंट मीडिया में एमसीएमसी से पूर्व प्रमाणित राजनैतिक विज्ञापन ही हो सकेंगे प्रकाशित

इंदौर। चौथे चरण में 13 मई को इंदौर लोकसभा संसदीय क्षेत्र में मतदान होगा। मतदान के दिन और मतदान के एक दिन पहले प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणित कराना होगा। एमसीएमसी कमेटी से पूर्व प्रमाणित विज्ञापन ही प्रिंट मीडिया में प्रकाशित हो सकेंगे। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रिंट मीडिया में मतदान की तिथि व मतदान से पूर्व दिवस पर प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों के लिये विशेष व्यवस्था दी गई है। नियमानुसार प्रिंट मीडिया में प्रकाशन के लिए विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणन के लिए राजनैतिक दल/आवेदकों को मतदान के दिन और मतदान से पूर्व दिवस पर विज्ञापन के प्रकाशित होने की प्रस्तावित तिथि से दो दिन पहले जिला/राज्यस्तरीय मीडिया सर्टिफिकेशन एवं मॉनीटरिंग कमेटी (एमसीएमसी) को आवेदन देकर पूर्व प्रमाणन कराना होगा। पूर्व प्रमाणन के पश्चात ही समाचार पत्रों में ऐसे प्रचार विज्ञापन प्रकाशित किये जा सकेंगे।

हनी ट्रैप मामला: आरोपी बरी नहीं हाईकोर्ट में है विचाराधीन

इंदौर। प्रदेश की राजनीति और अफसरशाही में भूचाल ला देने वाले बहुचर्चित हनी ट्रैप से जुड़े एक मामले में भोपाल कोर्ट ने तीनों महिला आरोपियों को बरी कर दिया है। हालांकि शासन की ओर से यह दावा भी सामने आया कि वह मानव तस्करी से जुड़े इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील करेगा, लेकिन हनी ट्रैप का जो असल केस इंदौर में दर्ज हुआ था, उसकी अभी हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है। हालांकि पहले कांग्रेस सरकार और उसके बाद भाजपा ने भी इस मामले को दबाने-छुपाने के ही प्रयास किए और जो चेहरे इसमें शामिल बताए गए, उनकी पहचान उजागर नहीं की गई। सिर्फ मीडिया के जरिए ही कुछ नेताओं, मंत्रियों, अफसरों के इसमें लिप्त होने की जानकारी सामने आई।मगर उसके बाद यह मामला चूंकि कोर्ट के विचाराधीन हो गया और इसी बीच प्रदेश में तख्तापलट भी हुआ। दरअसल, जब कांग्रेस की कमलनाथ सरकार काबिज थी तब 17 सितम्बर 2019 को इंदौर नगर निगम के ही तत्कालीन मुख्य अभियंता हरभजन सिंह ने पलासिया थाने पर इसकी रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि कुछ युवतियों द्वारा उनके अश्लील वीडियो बना लिए और अब उन्हें ब्लैकमेल

करते हुए तीन करोड़ रुपए की मांग की गई है। थाने में की गई इस शिकायत के बाद पुलिस ने 6 महिलाओं सहित 8 को आरोपी बनाया, जिसमें आरती, मोनिका, श्वेता पति विजय और बरखा, श्वेता पति स्वप्निल को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया और लम्बे समय तक ये आरोपी इंदौर की जेल में ही बंद रहे और उसके बाद इनकी जमानत हुई। इसमें गाड़ी के ड्राइवर ओमप्रकाश कोरी को भी गिरफ्तार किया था। अभिषेक ठाकुर सहित अन्य आरोपित बने। पिछले दिनों ही पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ को भी कोर्ट से बड़ी राहत मिली। दरअसल पहले कमलनाथ ने यह दावा किया था कि हनी ट्रैप मामले की सीडी और पेन ड्राइव उनके पास है, लेकिन बाद में वे पलट गए और बोले कि उन्होंने सिर्फ 29 सेकंड की क्लिप ही देखी थी। हालांकि आरोपियों ने कोर्ट में आपत्ति लेते हुए कमलनाथ के पास पेन ड्राइव और सीडी कहां से आई और उन्हें किसने दी, इसका खुलासा होना चाहिए। हालांकि एसआईटी ने पूर्व में नोटिस भी जारी किया था। मगर बाद में कोर्ट ने कमलनाथ को राहत दे दी। इंदौर से भोपाल और दिल्ली तक ये हनी ट्रैप सुर्खियों में रहा और मानव तस्करी का जो केस तीनों आरोपियों श्वेता विजय जैन, आरती दयाल और अभिषेक पर लगाया था उस मामले में कोर्ट ने उन्हें कल बरी कर दिया। उसके पूर्व ट्रायल के दौरान ही कोर्ट ने एक अन्य आरोपी श्वेता स्वप्निल जैन को भी बरी कर दिया था। लम्बी बहस के बाद मानव तस्करी का यह मामला खत्म हुआ। मगर हनी ट्रैप का जो मूल मामला इंदौर में दर्ज हुआ था, वह फिलहाल जांच में है और इंदौर हाईकोर्ट में भी उसकी सुनवाई चल रही है।

कांग्रेस का नोटा, कागज पर बड़ी कवायद मैदान में कमजोर अमल

इंदौर। अपने अधिकृत प्रत्याशी द्वारा नामांकन वापस लेने के बाद कांग्रेस ने इंदौर के चुनाव को नोटा बनाम भाजपा का रंग दे दिया है। प्रारंभिक तौर पर शहर के लोगों से अच्छा रिस्पांस मिलने के बावजूद कांग्रेस इस मुद्दे को असरकारक तरीके से मैदान में नहीं ला पा रही है। कांग्रेस की तैयारी कागजों पर बहुत मजबूत है पर अमल मैदान में कमजोर नजर आ रहा है। इसी के चलते प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आज इंदौर में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक ली। वे चाहते हैं कि कांग्रेस कार्यकर्ता इस मुद्दे को घर-घर ले जाने में कोई कसर बाकी न रखें। दो-तीन दिन तक चली बैठकों में यह तय हुआ था कि नोटा के प्रचार-प्रसार के लिए शहर में करीब 50 होर्डिंग लगाए जाएंगे। इसके अलावा बैनर और पोस्टर भी अलग-अलग क्षेत्र में लगाए जाएंगे। कुछ ऐसी प्रचार सामग्री भी तैयार की जाएगी, जो पार्टी के कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर लोगों से नोटा में वोट देने की अपील करेंगे। इसके अलावा एफएम रेडियो के माध्यम से भी नोटा पर बटन दबाने का अनुरोध किया जाएगा। इन सब फैसलों पर अभी तक असरकारक अमल होता दिख नहीं रहा है। सोशल मीडिया पर जरूर कांग्रेस ने अलग-अलग फोरम के माध्यम से आक्रामक कैंपेन शुरू कर दिया है। इसके अलावा बड़ी संख्या में ऑटो रिक्शा पर भी पोस्टर लगाए गए हैं।

अलग-अलग संगठनों के माध्यम से जारी होगी अपील

कांग्रेस अलग-अलग संगठनों के माध्यम से भी नोटा में वोट की अपील जारी करवा रही है। लोकतंत्र बचाओ समिति के नाम से भी कुछ प्रचार सामग्री जारी करवाई गई है। इसके अलावा शहर के कुछ प्रमुख लोगों के ऑडियो क्लिपिंग भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिनमें वह इंदौर के घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए नोटा पर बटन दबाने का आग्रह कर रहे हैं।

पटवारी आक्रामक कैंपेन के पक्ष में

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी नोटा के मामले में आक्रामक कैंपेन के पक्ष में हैं। उन्होंने स्थानीय नेताओं को स्पष्ट कर दिया है कि अगले 5 दिन में इस मुद्दे को पार्टी कार्यकर्ताओं के माध्यम से घर-घर पहुंचाना होगा। इंदौर में कैंपेन के सूत्र संभालने वाले पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा और शोभा ओझा को उन्होंने इस मामले में फ्री हैंड दिया है।

इंदौर सहित कई शहरों में जीएसटी छापे, 21 करोड़ की सामग्री जब्त

इंदौर। मतदाताओं को लुभाने के लिए राजनीतिक दलों द्वारा नकदी के अलावा कई तरह की सामग्रियां भी बांटी जाती है, जिसके चलते एसजीएसटी मुख्यालय के निर्देश पर कई शहरों में लगातार छापामार कार्रवाई की जाती रही है। इंदौर, भोपाल, सागर, गुना व अन्य शहरों से अभी तक 21 करोड़ रुपए की सामग्री जब्त की जा चुकी है, जिसमें गारमेंट, मोबाइल और उससे जुड़ी एसेसीरिज सहित ज्वेलरी, बर्तन सहित अन्य सामग्री शामिल है। इनमें से अधिकांश फर्मों पर छापे की कार्रवाई के दौरान ही कर और जुर्माने की राशि हाथों हाथ वसूल भी की गई। दूसरी तरफ इंदौर संभाग में ही अभी तक 8 करोड़ रुपए की अवैध शराब भी जब्त की जा चुकी है।चुनाव में शराब बांटने की प्रवृत्ति भी सबसे पुरानी है और अभी भी राजनीतिक दल और उससे जुड़े प्रत्याशी मतदान से पहले शराब बंटवाते भी हैं। इंदौर संभाग में लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर आचार संहिता लागू होते ही आबकारी विभाग द्वारा शराब के अवैध क्रय/विक्रय, परिवहन एवं भण्डारण के विरूद्ध संभागायुक्त दीपक सिंह के मार्गदर्शन में प्रभावी कार्रवाई प्रारंभ की गई। अभियान चलाकर की जा रही इस कार्रवाई में आबकारी अमले द्वारा विगत 16 मार्च से लेकर अभी तक कुल 5332 प्रकरण पंजीबद्ध कर 8 करोड़ रुपये मूल्य की शराब और वाहन जप्त किये गये। उपरोक्त अवधि में आबकारी विभाग द्वारा संभाग में 35 हजार 447 लीटर देशी, 25 हजार 659 लीटर विदेशी तथा 25 हजार 51 लीटर हाथ भट्टी शराब जप्त की गई। शराब के अवैध परिवहन में लिप्त 69 वाहन भी जप्त किये गये। जप्त शराब, महुआ लहान और वाहनों की कीमत 8 लाख रुपये है। उपरोक्त अवधि में सर्वाधिक 1559 प्रकरण इंदौर जिले में दर्ज किये गये। इसी तरह झाबुआ में 235, अलिराजपुर में 190, धार में 1337, खरगोन में 602, बड़वानी में 488, खंडवा में 555 तथा बुरहानपुर में 366 प्रकरण दायर किये गये। आबकारी अमले की यह कार्रवाई निरन्तर जारी है। दूसरी तरफ स्टेट गुड्स एंड सर्विस टैक्स यानी एसजीएसटी विभाग ने इंदौर सहित कई शहरों में लगातार छापामारी की है। अभी चार शहरों में पिछले दिनों ही तीन करोड़ से अधिक की सामग्री बांटी गई। एडिशनल कमिश्नर एसजीएसटी रजनी सिंह ने बताया कि अभी तक चुनाव में मुफ्त बांटी जाने वाली सामग्री के रूप में जिन व्यापारिक फर्मों के खिलाफ कार्रवाई की गई उनके गोडाऊन, दुकानों, शोरुम से लगभग 21 करोड़ रुपए की सामग्री जब्त की गई है। इसके अलावा अन्य कार्रवाई में भी लगभग 15 करोड़ रुपए की सामग्री विभाग ने जब्त की। जब से आचार संहिता घोषित हुई है तब से विभाग द्वारा लगातार सर्वे और छापे की यह कार्रवाई की जा रही है। इसमें इंदौर की भी कई फर्में शामिल हैं, जो कि गारमेंट, ज्वेलरी, बर्तन सहित मोबाइल व अन्य कारोबार में संलग्न हैं।

बिलावली तालाब के आसपास ही मिला कचरा, शौचालय की व्यवस्था भी नहीं

आयुक्त द्वारा बिलावली तालाब एवं झोन 13 का निरीक्षण, यूटिलिटी व्यवस्था सुधारने के लिए निर्देश

- **हाजरी सेंटर पर उपस्थिति रजिस्टर एवं सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण**

इंदौर। आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा बिलावली तालाब, झोन क्रमांक 13 क्षेत्र के सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त सिद्धार्थ जैन, अधीक्षण यंत्री महेश शर्मा, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अखिलेश उपाध्याय, क्षेत्रीय झोनल अधिकारी सीएसआई एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

आयुक्त द्वारा हाजरी सेंटर का उपस्थिति रजिस्टर भी चेक किया गया, कितने कर्मचारी हैं और किस प्रकार से कर्मचारियों का कार्य विभाजन किया गया है इसके संबंध में जानकारी ली गई। इसके पश्चात उन्होंने बिलावली तालाब का निरीक्षण किया, तालाब में पानी की आवक किस

किस चैनल के माध्यम से होती है, चैनल की सफाई एवं जल संग्रहण व्यवस्था के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान तालाब क्षेत्र में आने वाले मॉर्निंग वॉकर से भी चर्चा की गई, मॉर्निंग वॉकर द्वारा यूटिलिटी व्यवस्था सुधारने के संबंध में आयुक्त महोदय से आग्रह करने पर तत्काल आयुक्त द्वारा क्षेत्रीय सीएसआई को तालाब परिसर में स्थित यूटिलिटी व्यवस्था की सफाई करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही तालाब क्षेत्र में कचरा एवं गंदगी करने वालों के विरुद्ध भी चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

भाजपा में आई कांग्रेस पार्षद को मोदी से मिलाया, मोदी को देखते ही फफक पड़ी भाजपा कार्यकर्ता

इंदौर। भाजपा की सबसे छोटी इकाई मतदान केन्द्र पर काम करने वाले बूथ अध्यक्ष का आज प्रधानमंत्री से मिलने का सपना साकार होने जा रहा है। प्रधानमंत्री से मिलने के लिए सभी को आज एयरपोर्ट पर बुलाया गया है। प्रधानमंत्री के इंदौर से लौटते समय भी कुछ कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को भाजपा कार्यालय से फोन गए हैं कि वे सही समय पर एयरपोर्ट पहुंच जाएं। इसमें पार्षद विनिता मौर्य का नाम भी शामिल हैं जो 9 दिन पहले ही कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुई है। पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा संगठन की ओर से घोषणा की गई थी कि जो भी बूथ अध्यक्ष अपने बूथ पर भाजपा के पक्ष में सर्वाधिक मतदान कराएगा, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का मौका मिलेगा। प्रधानमंत्री विधानसभा चुनाव के बाद अब इंदौर आ रहे हैं। हालांकि वे यहां से धार और खरगोन में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में होने वाली सभा में इंदौर होकर रवाना हुए। इसी दौरान भाजपा के बूथ अध्यक्षों को मिलवाया गया। सांवेर विधानसभा के निपानिया मंडल की वंदना सिंह के सामने जब मोदी आए तो वे भावुक हो गई और रो पड़ी। मोदी ने उन्हें आशीर्वाद दिया और आगे बढ़ गए। कुछ ऐसे कार्यकर्ताओं के नाम सूची में जोड़े गए हैं जो किसी पद पर नहीं है, लेकिन पार्टी में सक्रिय भूमिका में बने रहते हैं। विदित है कि नगर अध्यक्ष रहते गोपीकृष्ण नेमा ने इसकी शुरूआत की थी। उनका कहना था कि हर बार वे ही नेता किसी बड़े नेता के आगमन पर एयरपोर्ट पहुंच जाते थे और नीचे के कार्यकर्ताओं को कभी मौका नहीं मिल पाता था। इसके बाद जब-जब प्रधानमंत्री का आगमन हुआ नगर, मंडल और मोर्चा के पदाधिकारियों के साथ-साथ मंडल अध्यक्ष तक को उनसे मिलवाया गया। रणदिवे ने भी कहा कि सभी कार्यकर्ताओं की इच्छा मोदी से मिलने की होती है और इसी को लेकर आज कार्यकर्ताओं को उनसे मिलवाया जा रहा है।

सर्व ब्राह्मण युवा संगठन द्वारा भगवान श्री परशुराम जयंती पर 9 मई को निकाली जाएगी भव्य शौर्य यात्रा

इंदौर। सर्व ब्राह्मण युवा संगठन के तत्त्वावधान में, भगवान परशुराम जयन्ती, अक्षय तृतीया की पूर्व संध्या पर,दिनांक 9 मई 2024 को, बापट चौराहा स्थित परशुराम मन्दिर से शाम 5 बजे विशाल भगवान परशुराम की विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। शौर्य यात्रा के सफल आयोजन हेतु विभिन्न ब्राह्मण संगठनों और ब्राह्मण उपवर्गों के पदाधिकारियों की बैठक, पांचाल धर्मशाला, न्यायनगर में आयोजित की गयी।

यात्रा में सभी हिन्दू संगठनों के समाजजनों को शामिल होने की अपील- संगठन के संरक्षक पण्डित रमेश मेंदोला के नेतृत्व में हुई इस बैठक में, सर्व ब्राह्मण युवा संगठन इंदौर इकाई के अध्यक्ष सन्दीप जोशी ने कहा कि भगवान परशुराम, सम्पूर्ण मानव जाति और सभी सनातनियों के आराध्य हैं; अतः शौर्य यात्रा में सभी हिन्दू सम्मिलित हों, ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं और विभिन्न समाजों से सम्पर्क किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा धर्म और हमारी संस्कृति हमें एकसूत्र में बांधती है। भगवान राम हों या परशुराम, ये सभी हमारे आराध्य हैं, अतः इन्हें मानने वाले सभी एक ही हैं, यह सन्देश इस यात्रा के माध्यम से दिया जाएगा।

सर्व ब्राह्मण युवा संगठन महालक्ष्मी नगर इकाई के संरक्षक एवं मार्गदर्शक प. के के झा एवं, अध्यक्ष प. अमित त्रिवेदी ने कहा कि सर्व ब्राह्मण युवा संगठन महालक्ष्मी नगर इकाई, अन्य ब्राह्मण तथा अन्य समाज के संगठनों द्वारा बनाए गए स्वागत मंचों से शौर्य यात्रा में शामिल ब्राह्मण एवं अन्य समाज के लोगों का स्वागत किया जाएगा। बैठक का संचालन पं. दिनेश दवे ने किया तथा पं. राजेश हरदेनिया ने आभार व्यक्त किया।

इंदौर में कांग्रेस के पास उम्मीदवार ही नहीं, फिर भी पोलिंग बूथों पर लगाएगी टेबल

इंदौर। लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस या आइएनडीआइ गठबंधन का उम्मीदवार मैदान में नहीं है। इसके बाद भी कांग्रेस हर चुनाव की तरह मतदान बूथों के पहले अपनी टेबले लगाएगी। साथ ही पोलिंग बूथों के भीतर मतदान अभिकर्ता भी बैठाए जाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इंदौर शहर और जिले के पदाधिकारियों को यह निर्देश दिए हैं।कल मंगलवार को गांधी भवन में पदाधिकारियों के साथ बंद कमरे में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया है। इसके पूरे प्रबंध देखने की जिम्मेदारी प्रदेश कांग्रेस ने ली है।इससे पहले इंदौर लोकसभा सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार के मैदान के साथ पार्टी भी छोड़ने से पार्टी ही नहीं बल्कि प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पर भी सवाल उठ रहे है। खुद प्रदेश अध्यक्ष की गृह क्षेत्र की सीट से कांग्रेस मैदान से ही विलुप्त कर दी गई है। ऐसे में मैदान में नहीं होने के बावजूद मैदान में दिखने की चुनौती कांग्रेस के सामने बनी हुई है। न केवल पटवारी की साख इंदौर में दांव पर है बल्कि संगठन को डर भी है कि ऐसी स्थिति में यदि संगठन मैदान में नजर नहीं आया तो जनता के बीच खराब संदेश जाएगा।ऐसे में अगले पांच वर्ष यानी अगले चुनाव तक कांग्रेस के लिए स्थितियां और भी ज्यादा विपरीत हो जाएगी। मंगलवार को प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी इंदौर के कांग्रेस कार्यालय में बैठक लेने पहुंचे थे। कार्यकर्ताओं के बीच बोलते हुए पटवारी ने सिर्फ नोटा को लेकर बात की साथ ही भाजपा की दलबदल की राजनीति पर भी सवाल उठाया। इसके बाद वे कार्यालय के भीतर चुनिंदा पदाधिकारियों के साथ चर्चारत रहे।प्रदेश अध्यक्ष के साथ हुई बैठक में शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरजीतसिंह चड्ढा, जिला अध्यक्ष सदाशिव यादव, सेवादल अध्यक्ष मुकेश यादव समेत पदाधिकारी मौजूद थे। फैसला हुआ कि पोलिंग बूथों के अंदर कांग्रेस के कार्यकर्ता निर्दलीय उम्मीदवारों के पोलिंग एजेंट बनकर बैठाए जाएंगे। इसके लिए कुछ निर्दलीय उम्मीदवारों से बात की जा रही है। एजेंट बैठाने के लिए तमाम प्रबंध भले ही वह भोजन पानी या मानदेय हो यह सब कांग्रेस की ओर से किया जाएगा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि ऐसा करना जरुरी है क्योंकि अंदर यदि विपक्षी मौजूद नहीं रहे तो बोगस वोटिंग का सहारा लेकर भाजपा अपने पक्ष में बड़े पैमाने पर वोट डलवाएगी।

नोटा के लिए रैली- कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जीतू पटवारी ने भाजपा को राजनीतिक माफिया बताया। उन्होंने उम्मीदवारों की खरीद और धमकाने का आरोप लगाया। कार्यकर्ताओं से कहा कि वे नोटा के समर्थन में अभियान चलाए। इसके लिए इंटरनेट मीडिया ही माध्यम न बने बल्कि जमीन पर भी आंदोलन दिखे। शहर कांग्रेस ने घोषणा की कि 10 मई को इंदौर में बड़ी रैली की जाएगी। यह रैली लोकतंत्र बचाओ समिति और इंडिया गठबंधन के बैनर तले निकाली जाएगी। जंजीरवाला चौराहे से शुरू होकर आंबेडकर प्रतिमा पर रैली पहुंचेगी। इस दौरान नोटा का बटन दबाने की अपील होगी। इसमें शामिल होने के लिए विभिन्न सामाजिक संगठनों को भी आमंत्रित किया जा रहा है।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, बुधवार 08 मई , 2024

संपादकीय | घाटी में आतंकियों की सक्रियता, सरकार के दावे पर सवाल

चिंता की बात यह भी है कि आतंकी उन इलाकों में भी सक्रिय देखे जा रहे हैं, जहां वर्षों से लगभग शांति थी। पीर-पंजाल के इलाके में फिर से आतंकियों का सक्रिय हो जाना पाकिस्तान की तरफ से मिल रही गंभीर चुनौती की तरह है। ताजा घाटी में दहशतगर्दी पर काफी हद तक काबू पा लेने के सरकारी दावे के बरक्स हकीकत यह है कि पिछले कुछ सालों में वहां आतंकी हमले बढ़े हैं। पुंछ के शाहसितार इलाके में वायुसेना के वाहन पर हुआ हमला इसकी ताजा कड़ी है। शनिवार को घात लगा कर आतंकियों ने हमला किया था, जिसमें पांच सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए। बाद में उनमें से एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। आतंकियों की तलाश जारी है। हेलिकाप्टर से भी उनकी टोह ली जा रही है। बताया जा रहा है कि ये आतंकी पाकिस्तान से आए थे। उनमें से दो आतंकियों के रेखाचित्र जारी कर उनके बारे में जानकारी देने वाले को बीस लाख रुपए इनाम की घोषणा भी कर दी गई है।

सरकार लगातार कहती आ रही है कि घाटी में आतंकवादियों की गतिविधियों को समेट दिया गया है। अब वे एक सीमित क्षेत्र में सक्रिय रह गए हैं। उन्हें भी जल्दी खत्म कर दिया जाएगा। मगर हैरानी की बात है कि सरकार के इस दावे को धता बताते हुए आतंकी लगातार कभी लक्षित हिंसा करके ध्यान भटकाने, तो कभी सेना के काफिले पर घात लगा कर हमला करने में कैसे कामयाब हो जा रहे हैं। चिंता की बात यह भी है कि आतंकी उन इलाकों में भी सक्रिय देखे जा रहे हैं, जहां वर्षों से लगभग शांति थी। पीर-पंजाल के इलाके में फिर से आतंकियों का सक्रिय हो जाना पाकिस्तान की

तरफ से मिल रही गंभीर चुनौती की तरह है। ताजा हमला उसी इलाके में हुआ है। वह पाकिस्तान से सटा घने जंगलों और चट्टानों वाला दुर्गम इलाका है। भारतीय सेना ने बहुत पहले उस इलाके में पाकिस्तान पोषित आतंकी गतिविधियों पर विराम लगा दिया था। यह पिछले एक पखवाड़े में तीसरी आतंकी घटना है। इसके पहले आतंकियों ने दो स्थानीय नागरिकों की गोली मार कर हत्या कर दी थी। इसके पहले सेना और पुलिस ने कुछ तलाशी अभियानों में आतंकवादियों को मार गिराया था। ये हमले उन्हीं की प्रतिक्रिया में किए गए लगते हैं। मगर इन घटनाओं से यह भी जाहिर है कि सेना और सुरक्षाबलों को दहशतगर्दों की रणनीति समझने में चूक हो रही है। वे समय-समय पर अपनी रणनीति बदलते रहते हैं। कई बार वे लक्षित हिंसा का सहारा केवल इसलिए लेते हैं कि ध्यान भटकाया जा सके। फिर वे घात लगा कर सेना के काफिले पर हमला इस मकसद से करते हैं कि अधिक से अधिक नुकसान पहुंचा सके। बार-बार हो रहे ऐसे हमले गंभीर चिंता का विषय हैं।

जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने और सेना की तैनाती बढ़ाने के बाद दावे किए गए थे कि जल्दी ही घाटी से दहशतगर्दी को नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा। अब जब आतंकवादियों को मिलने वाले वित्तीय, स्थानीय और हर तरह के सहयोग पर अंकुश लगाया जा चुका है, पहले की तुलना में खुफिया तंत्र अधिक सक्रिय है, तब भी अगर आतंकवादी न केवल सुरक्षाबलों को चकमा देने में कामयाब हो जा रहे हैं, बल्कि उनकी सक्रियता लगातार बनी हुई है, तो इस विषय में नए सिरे से विचार करने की जरूरत है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद तीन सौ सत्तर को खत्म हुए भी पांच वर्ष होने को आ रहे हैं। अभी तक वहां विधानसभा चुनाव कराने में अड़चनें दूर नहीं हो पा रहीं। अगर इन घटनाओं के पीछे पाकिस्तान का हाथ है, तो उससे निपटने की रणनीति बनानी चाहिए।

सोशल मीडिया से...

महात्मा गांधी जी, पंडित जवाहरलाल नेहरू जी और हमारे तमाम महापुरुषों ने आंदोलन किया ताकि जनता के अधिकार मजबूत हों। वे सोच भी नहीं सकते थे कि एक ऐसी सरकार आएगी जो उन्हीं को देशद्रोही कहते हुए, ये कहेगी कि हमें 400 सीट दे दो तो हम संविधान बदल देंगे। वे सोच भी नहीं सकते थे कि हमारी जनता को कमजोर करने की कोशिश खुद सरकार करेगी।

प्रियंका गांधी वांड्रा ,कांग्रेस महासचिव

मेरे प्रिय साथी कांग्रेस कार्यकर्ताओं, यह चुनाव कोई सामान्य चुनाव नहीं है - ये हमारे लोकतंत्र और संविधान को बचाने की लड़ाई है। जब तक कांग्रेस का एक भी कार्यकर्ता सच्चाई के लिए खड़ा है, तब तक भारत में नफ़रत नहीं जीत सकती - और हम एक नहीं, करोड़ों हैं। मिलकर लड़ेंगे, जीतेंगे और देश के हालात बदल देंगे।

राहुल गांधी, सांसद

डेंटल एवेंजर्स इन्दौर चेम्पियन

इंदौर। डेंटल एवेंजर्स इन्दौर ने इन्दौर डेंटिस्ट लीग के तत्वावधान में खेली गई एलएनजी प्रेजेंट्स प्रतिष्ठित आईडीएल ट्रॉफ़ी पर कब्ज़ा किया। उसने रविवार देर रात खेले गए फ़ायनल में डेंटिस्ट सुपर गिएंट्स को पराजित किया। स्पर्धा का यह दूसरा वर्ष था। डेंटल एवेंजर्स के कप्तान डॉ. मो. सिद्दीक़ ने अपने साथी क्रिकेटर्स के साथ विजेता ट्रॉफ़ी ग्रहण की। डेंटिस्ट सुपर गिएंट्स के कप्तान डॉ. अर्पित जैन ने उपविजेता ट्रॉफ़ी प्राप्त की।

पारिवारिक माहौल में सम्पन्न इस रंगारंग पुरुस्कार वितरण समारोह के चीफ गेस्ट एलएनजी के ऑनर अभिनव गुप्ता थे। मेन ऑफ द मैच फ़ायनल डॉ उदित तैलंग और मेन ऑफ द सीरीज़ डॉ. अमित बघेल रहे। तीन दिवसीय इस टूर्नामेंट में नगर के डेंटिस्टों की 12 टीमों के माध्यम से 150 डेंटिस्टों ने भागीदारी की। इसमें बड़ी संख्या में महिला डॉक्टर्स भी सम्मिलित हुईं। स्पर्धा के मुख्य आयोजक डॉ. सिद्दीक़ और डॉ राजेश्वर सिंह ने एक अनोपचारिक बातचीत में बताया कि स्पर्धा का मुख्य उद्देश्य शहर के सभी डेंटिस्टों को भागदौड़ भरी तनावपूर्ण ज़िन्दगी में उल्लास, उमंग और खुशियाँ प्रदान करना था। इसमें हम क़ामयाब रहे। उन्होंने बताया कि अगले वर्ष स्पर्धा का तीसरा संस्करण और ज़्यादा भव्य था और ज़्यादा बड़े स्तर पर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने अगले वर्ष शहर के सभी डेंटिस्ट्स से और अधिक संख्या में स्पर्धा में पार्टिसिपेट्स करने का आव्हान किया। डॉ सिद्दीक़ ने कहा कि हमारा प्रयास यह है कि शहर के सभी डेंटिस्ट एक परिवार की तरह जुड़ कर मरीज़ों के कल्याण के लिए कार्य करें।

स्पर्धा के प्रायोजक

एलएनजी डेंटल × सर्जिकल मटेरियल्स, टीथफास्ट डेन्टल लेब और सहप्रयोजक ओरेकल सीबीसीटी, नियो बायोटेक (कोरिया) थे।

रेगिस्तान में पानी की मृग तृष्णा हुई पूरी

एक ही महीने में दूसरी बार दुबई में बादल फटने से बाढ़ के हालात पैदा हो गए। रेगिस्तान की तपती रेत में पानी का मिलना सदियों से एक आकस्मिक और चमत्कारिक घटना माना जाता है।एक ही महीने में दूसरी बार दुबई में बादल फटने से बाढ़ के हालात पैदा हो गए। रेगिस्तान की तपती रेत में पानी का मिलना सदियों से एक आकस्मिक और चमत्कारिक घटना माना जाता है। तपती रेत पर हवा गर्म हो कर कई बार पानी होने का भ्रम देती है और प्यासा उसकी तलाश में भटकता रहता है। इसे ही मृग तृष्णा कहते हैं। जब से खाड़ी के देशों में पैट्रो-डॉलर आना शुरू हुआ है तब से तो इनकी रंगत ही बदल गई।

-विनीत नारायण

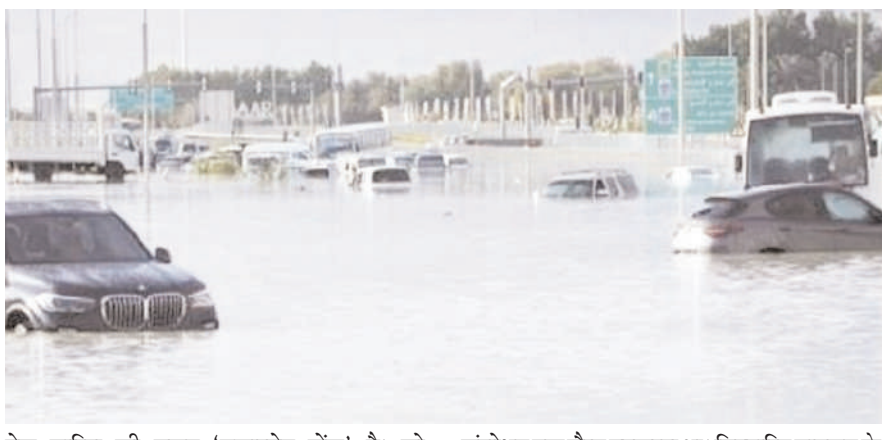

दुनिया के सारे ऐशो आराम और चमक दमक इनके शहरों में छा गई। अकूत दौलत के दम पर इन्होंने दुबई के रेगिस्तान को एक हरे-भरे शहर में बदल दिया। जहां घर-घर स्विमिंग पूल और फव्वारे देख कर कोई सोच भी नहीं सकता कि ये सब रेगिस्तान में हो रहा है। पर जैसे ही आप दुबई शहर से बाहर निकलते हैं आपको चारों ओर रेत के बड़े-बड़े टीले ही नजर आते हैं। न हरियाली और न पानी। इन हालातों में यह स्वाभाविक ही था कि दुबई का विकास इस तरह किया गया कि उसमें बरसाती पानी को सहेजने की कोई भी व्यवस्था नहीं है।

इसलिए जब 75 साल बाद वहां बादल फटा तो बाढ़ के हालात पैदा हो गए। कारें और घर डूब गए। हवाई अड्डे में इतना पानी भर गया कि दर्जनों उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। एक तरफ इस चुनौती से दुबई वासियों को जूझना था और दूसरी तरफ वे इतना सारा पानी और इतनी भारी बरसात देख कर हर्ष में डूब गए। पर ऐसा हुआ कैसे? क्या यह वैश्विक पर्यावरण में आए बदलाव का परिणाम था या कोई मानव निर्मित घटना? खाड़ी देशों में आई इस बाढ़ की वजह को कुछ विशेषज्ञों ने 'क्लाऊड सीडिंग' यानी कृत्रिम बारिश को बताया है। जब एक निश्चित क्षेत्र में अचानक अपेक्षा से कहीं गुना ज्यादा बारिश हो जाती है, तो उसे हम बादल फटना कहते हैं। हालांकि,हाल ही में प्रकाशित एक समाचार के अनुसार अमरीकी मौसम वैज्ञानिक रयान माऊ इस बात को मानने से इंकार करते हैं कि दुबई में बाढ़ की वजह 'क्लाऊड सीडिंग' है। उनके मुताबिक खाड़ी देशों पर बादल की पतली लेयर होती है। वहां 'क्लाऊड सीडिंग' के बावजूद इतनी बारिश नहीं हो सकती है कि बाढ़ आ जाए। 'क्लाऊड सीडिंग' से एक बार में बारिश हो सकती है। इससे कई दिनों तक रुक-रुक कर बारिश नहीं होती जैसा कि वहां हो रहा है। माऊ के मुताबिक अमीरात और ओमान जैसे देशों में तेज बारिश की वजह 'क्लाइमेट चेंज' है। जो 'क्लाऊड सीडिंग' पर इल्जाम लगा रहे हैं वह ज्यादातर उस मानसिकता के हैं जो ये मानते ही नहीं कि 'क्लाइमेट चेंज' जैसी कोई चीज होती है। 'क्लाऊड सीडिंग' तकनीक हमेशा से बहस का विषय बनी रही है। दशकों के शोध से स्थैतिक और गतिशील बीजारोपण तकनीकें सामने आई हैं। ये तकनीकें 1990 के दशक के अंत तक प्रभावशीलता के संकेत दिखाती हैं। परंतु कुछ संशयवादी लोग सार्वजनिक सुरक्षा और पर्यावरण के लिए संभावित खतरों पर जोर देते हुए 'क्लाऊड सीडिंग' के खतरों पर ज़ोर देते हुए इसके खिलाफ शोर मचाते रहे हैं। चूंकि सरकारें और निजी कंपनियां जोखिमों के बदले लाभ को ज्यादा महत्व देती हैं, इसलिए 'क्लाऊड सीडिंग' एक विवाद का विषय बना हुआ है। जबकि कुछ देशों में इसे कृषि और पर्यावरणीय उद्देश्यों के लिए अपनाया जाता है। इतना ही नहीं अन्य संभावित परिणामों से अवगत होकर ऐसे देश इस पर सावधानी से आगे बढ़ते हैं। यदि इतिहास की बात करें तो 'क्लाऊड सीडिंग' का आयाम वियतनाम युद्ध के दौरान 'ऑपरेशन पोपेय' जैसी घटनाओं से मेल खाता है। उस समय मौसम में संशोधन एक सैन्य उपकरण था। विस्तारित मानसून के मौसम और परिणामी बाढ़ के कारण 1977 में एक अंतर्राष्ट्रीय संधि हुई जिसमें मौसम संशोधन के सैन्य उपयोग पर रोक लगा दी गई। रूसी संघ और थाईलैंड जैसे देश हीटवेव और जंगल की आग को दबाने के लिए इसका सफलतापूर्वक उपयोग कर रहे हैं, जबकि अमरीका, चीन और ऑस्ट्रेलिया सूखे को कम करने के लिए वर्षा के दौरान पानी के अधिकतम उपयोग के लिए इसकी क्षमता का उपयोग कर रहे हैं।

संयुक्त अरब अमीरात में इस तकनीक का उपयोग अपनी कृषि क्षमताओं का विस्तार करने और अत्यधिक गर्मी से लडने के लिए सक्रिय रूप से किया जाता है। आर्थिक लाभ के लिए सरकारें और उद्योगपति कुछ भी करने को तैयार हो जाते हैं। यही बात 'क्लाऊड सीडिंग' के मामले में भी लागू होती है। जबकि 'क्लाऊड सीडिंग' लंबे समय तक बने रहने वाले स्वास्थ्य जोखिमों पर भी गंभीरता से ध्यान दिए जाने की जरूरत है। आधुनिकता के नाम पर जैसे-जैसे हम 'क्लाऊड सीडिंग' के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं, विशेषज्ञों द्वारा इसके सभी आयामों पर शोध करना एक नैतिक अनिवार्यता है।

बुजुर्गों की सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य बीमा को लेकर नीतिगत पहल करने की जरूरत

हमारे देश में सामान्य तौर पर बुजुर्गों की अहमियत है। सभी अपने घर के बड़े-बूढ़ों का खयाल रखने की कोशिश करते हैं। मगर उनकी सामाजिक सुरक्षा को लेकर अपेक्षित नीतिगत व्यवस्था की कमी रही है। खासकर ढलती उम्र में उनके स्वास्थ्य का खयाल रखने के लिए बीमा जैसी व्यवस्था में भी अभी तक उनके लिए पर्याप्त जगह नहीं रही है।

यह बेवजह नहीं है कि बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य बीमा के मामले में भारत एशिया-प्रशांत देशों में सबसे निचले पायदान पर है। 'एजिंग वेल इन एशिया' शीर्षक से गुरुवार को जारी एशियाई विकास बैंक की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत को तेजी से बढ़ती आबादी की जरूरतों को पूरा करने और वृद्धि की रफ्तार बनाए रखने के लिए सबको स्वास्थ्य बीमा के दायरे में लाना वक्त का तकाजा है। हालांकि गरीब लोगों को नकदी रहित स्वास्थ्य बीमा देने वाली आयुष्मान भारत जैसी योजना आने के बाद से बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य से संबंधित सुविधाओं का विस्तार हुआ है, लेकिन इस ओर विशेष ध्यान देना समाज और देश के हित में है, क्योंकि अधिक उम्र वाले लोगों की मौजूदगी से मिलने वाला 'लाभांश' ज्यादा हो सकता है। दरअसल, बदलती स्थितियों में बुजुर्गों को अपनी सेहत के लिहाज से ज्यादा संसाधनों की जरूरत पड़ती है। परिवार और समाज के अतिरिक्त व्यवस्थागत ढांचे में कुछ ऐसे नियम-कायदे हैं, जिनमें कई बार बुजुर्गों को या तो उपेक्षा झेलनी पड़ती या फिर उन्हें कमतर सुविधाएं मिलती हैं। मसलन, स्वास्थ्य के क्षेत्र में बीमा के मामले में देखें तो ज्यादा उम्र के लोगों के लिए जैसी शर्तें रखी गई हैं, उसमें उनका कोई विशेष लाभ नहीं मिल पाता।

जबकि बढ़ती उम्र के साथ सेहत के लिहाज से कई ऐसी स्थितियां पैदा होती हैं, जिनमें उन्हें स्वास्थ्य बीमा की सबसे ज्यादा जरूरत पड़ती है। हालांकि अब बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण ने बुजुर्गों को भी बीमा खरीदने की सुविधा प्रदान कर दी है। पर स्वास्थ्य बीमा का खर्च कम और उनकी पहुंच में होना चाहिए। इस संदर्भ में देखें तो एशियाई बैंक विकास की ताजा रिपोर्ट नीतिगत स्तर पर ठोस पहल की जरूरत को रेखांकित करती है।

लोकसभा निर्वाचन-2024: इंदौर को मतदान में नम्बर वन बनाने के लिए एक बार फिर दिव्यांगजन आगे आये

सभी आयु वर्ग के मतदाताओं को मतदान के प्रति आकर्षित करने के लिए दिव्यांगजनों ने प्रस्तुत किये रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

इंदौर। इंदौर जिले में लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए मतदाताओं को जागरूक करने के लिए नये-नये रोचक प्रयास किये जा रहे है। इन जागरूकता कार्यक्रमों में शहर के दिव्यांगजन बढ-चढकर हिस्सा ले रहे है। मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए तिपहिया वाहनों की प्रभावी रैली के बाद दिव्यांगजनों ने नाट्य और नृत्य के माध्यम से अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करतु हुए रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। स्थानीय रविन्द्र नाट्य गृह में सम्पन्न हुये इस कार्यक्रम में सामाजिक न्याय विभाग के युगपुरूष धाम बौद्धिक विकास केन्द्र, संवेदना बौद्धिक विकास केन्द्र, अनुभूति सेवा विजन समिति, निःशक्तजन आधार वेलफेयर सोसायटी आसरा, अरूणाभ संस्था तथा शासकीय दिव्यांग गृह इंदौर के दिव्यांगजनों ने पूरे उत्साह के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

उक्त आयोजन कलेक्टर आशीष सिंह की पहल पर किया गया। कार्यक्रम स्थल पर अरूणाभ संस्था के बौद्धिक दिव्यांग बच्चों द्वारा संचालित किये गये कैफे से

कार्यक्रम में आये हुये सभी संस्था के बच्चों, शिक्षकों एवं प्रशिक्षकों ने स्वल्पाहार का आनन्द लिया। इस अवसर पर सीईओं स्मार्ट सिटी एवं स्वीप कार्यक्रम के प्रभारी दिव्यांक सिंह ने इंदौर जिले को मतदान में भी नम्बर वन बनाने के लिए मतदान दिवस 13 मई को अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए मतदान की शपथ दिलाई। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, सामाजिक न्याय विभाग एवं स्मार्ट सिटी इंदौर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में शहर के दिव्यांगजनों ने उपस्थित सभी नागरिकों को एक बार भी पूरे उत्साह के साथ मतदान करने का संदेश दिया।

कांग्रेसी उम्मीदवार मैदान छोड़ भाग जाएं तो भाजपा क्या कर सकती है: मोदी

इंदौर। इंदौर लोकसभा सीट पर पिछले दिनों नाटकीय घटनाक्रम हुआ। कांग्रेस के प्रत?याशी अक्षय कांति बम ने ऐन वक?त पर नाम वापस ले लिया और इंदौर में कांग्रेस उम?मीदवार विहीन हो गई। यह पहला मामला नहीं था। इससे पहले सूरत में कांग्रेस प्रत?याशी नीलेश कुंभाणी का फार्म निरस?त हो गया था इसके चलते सूरत में बीजेपी प्रत?याशी निर्विरोध ही चुनाव जीत गए। इंदौर के बाद पुरी में भी कांग्रेस प्रत?याशी सुचारिता मोहंती ने नाम वापस ले लिया। इसकी वजह उन?होंने कथित रूप से पार्टी के पास फंड का अभाव बताया। अब इस परिदृश?य पर प्रधानमंत्री नरेन?द्र मोदी ने प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस ऐसे कार्यकर्ताटों को टिकट दे देती है तो कि स?वयं ही मैदान छोड़कर भाग जाते हैं। अब इसमें आखिर भाजपा क?या कर सकती है।विपक्ष सहित कांग्रेस को मिलकर यह सोचना चाहिये कि यह स्थिति क?यों बन रही है। आखिर खोजने से भी सही प्रत?याशी क?यों नहीं मिल पा रहा है। इसका मतलब तो ये हुआ कि कांग्रेस उम?मीदवार भी यह जान गए हैं कि कांग्रेस की बातें फर्जी हैं और वादे भी फर्जी हैं। तो जब यही नेता झूठे वादे लेकर जनता के सामने जाते हैं तो उनसे सवाल किए जाते हैं। उनके कार्यकर्ताओं के लिए यह स्थिति बन गई है कि वे अपने ही नेता को डिफेंड नहीं कर पा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

रेखा झुनझुनवाला को शेयर बाजार में हुआ बड़ा नुकसान, शेयर के टूटने से 800 करोड़ डूबे

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक रहे दिवंगत राकेश झुनझुनवाला की पत्नी रेखा झुनझुनवाला को सोमवार के कारोबारी सत्र के दौरान 800 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। उन्हें यह नुकसान टाटा समुह के स्वामित्व वाली कंपनी टाइटन के शेयरों के टूटने से हुआ है। टाटा समूह के इस शेयर पर झुनझुनवाला परिवार ने बड़ा निवेश कर रखा है। झुनझुनवाला परिवार की टाइटन में करीब 5.35त्न हिस्सेदारी 31 मार्च 2024 तक के आंकड़ों के अनुसार झुनझुनवाला परिवार की टाइटन में करीब 5.35त्न की हिस्सेदारी थी। शुक्रवार को बाजार की क्लोजिंग के दौरान टाइटन के शेयरों में उनकी होल्डिंग का कुल मूल्य 16,792 करोड़ रुपये था। सोमवार को टाइटन के शेयर 7त्न तक टूट गए। मार्च तिमाही के नतीजों के बाद निवेशकों में टाइटन के शेयरों में खरीदारी के प्रति निराशा दिखी। इस गिरावट से झुनझुनवाला परिवार को खासा नुकसान उठाना पड़ा। उन्हें टाटाइन के शेयर कमजोर होने से करीब 800 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। सोमवार के कारोबारी सत्र के दौरान टाइटन के शेयर 3,352.25 के अपने निचले स्तर पर पहुंचने के बाद 3281.65 रुपये पर बंद हुए। इसके परिणामस्वरूप कंपनी का नेट वैल्यू 3 लाख करोड़ रुपये से कम होकर 2,91,340.35 करोड़ रुपये रह गया। टाइटन के शेयरों में इस गिरावट से शेयरों में झुनझुनवाला परिवार की हिस्सेदारी का मूल्य 15,986 करोड़ रुपये रह गया। इस तरह झुनझुनवाला परिवार को करीब 800 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है।

50 प्रतिशत विदेशी उड़ानों पर भारतीय एयरलाइन कंपनियों का होगा कब्जा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय एयरलाइन कंपनियां वित्त वर्ष 2027-28 तक देश के अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात की 50 प्रतिशत जरूरत को पूरा करने में सक्षम होंगी। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने सोमवार को यह अनुमान लगाया है। एजेंसी के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय यात्री यातायात में भारतीय एयरलाइन कंपनियों की हिस्सेदारी (जिसमें देश से होकर गुजरने वाला यातायात भी शामिल है) 2027-28 तक 50 प्रतिशत हो जाएगी, जो पिछले वित्त वर्ष में 43 प्रतिशत थी। क्रिसिल रेटिंग्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि यह सुधार भारतीय एयरलाइन द्वारा अतिरिक्त विमानों की तैनाती और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में नए मार्ग जोड़ने के साथ-साथ विदेशी एयरलाइन की तुलना में बेहतर घरेलू संपर्क के बल पर होगा। रिपोर्ट में कहा गया कि अंतरराष्ट्रीय यातायात में उनकी बढ़ती हिस्सेदारी के चलते भारतीय एयरलाइन कंपनियों की व्यावसायिक स्थिति मजबूत होगी, जो घरेलू क्षेत्र की तुलना में अधिक लाभदायक है। क्रिसिल के अनुसार, भारत का अंतरराष्ट्रीय यात्री यातायात वित्त वर्ष 2023-24 में करीब सात करोड़ तक बढ़ गया। यह वैश्विक महामारी से पहले के स्तर को पार कर गया है। वैश्विक महामारी से प्रभावित वित्त वर्ष 2020-21 में यह एक करोड़ के निचले स्तर पर आ गया था।

UGC Invites Applications From Higher Education Institutions For Offering Distance Learning Courses

University Grants Commission (UGC) has invited applications from eligible higher educational institutions (HEIs) for offering courses in Open and Distance Learning (ODL) mode and/or online mode for academic year 2024-25. The applications are invited for courses that are set to begin from September 2024. This is revised from July-August, 2024.

An official notification from UGC reads, "UGC invites fresh online applications from eligible higher educational institutions (HEIs) as per Regulation 3(A) and Regulation 3(B)(b) of UGC (Open and Distance Learning Programmes and Online Programmes) Regulations, 2020 and its amendments for recognition of programmes under Open and Distance Learning (ODL) mode and/or Online mode for academic year 2024-25, academic session beginning September, 2024 (revised from July-August, 2024)."

The online portal for submitting applications will open from May 10, 2024 till May 31, 2024. The HEl is required to submit application at https://deb.ugc.ac.in/. The duly certified hard copy of the application along with original affidavit and annexure should be submitted to Deputy Secretary, Distance Education Bureau, UGC, New Delhi June 15, 2024.

The UGC also noted mentioned to the HEls that the mere submission of an application should not be considered as grant of approval and that all applications) will be subject to scrutiny with respect to the standards stipulated in the UGC (Open and Distance Learning Programmes and Online Programmes) Regulations, 2020 and its amendments.

UGC had earlier maintained that it will not be mandatory for the state/private universities to take approval of All India Council for Technical Education (AICTE) to run technical programmes. After the new development, the central, state and private universities will not require prior approval or no objection certification (NOC) from AICTE along with their application to UGC for offering of undergraduate, postgraduate and postgraduate diploma programmes under Management, Computer Application and Travel and Tourism disciplines in open and distance learning (ODL) or online mode.

NEET UG 2024: Exam Body Denies Paper Leak Allegations, Calls Them Baseless

The National Testing Agency (NTA) has refuted the claims of a paper leak in the National Eligibility-cum-Entrance Test (Undergraduate) (NEET UG) 2024 held on Sunday, terming them as "completely baseless and without any merit".

"It has been ascertained from NTA's security protocols and Standard Operating Procedures that the social media posts pointing towards any paper leak are completely baseless and without any substance," the NTA said in an official release. The exam body stated that except for an incident in Rajasthan's Sawai Madhopur where some students forcibly took away the question papers before the conclusion of the examination, all other photos of papers circulating on social media have no relation to the actual paper.

The NTA mentioned instances of malpractice and impersonation cases, stating that stringent actions were taken against impersonators and candidates. Many people have been arrested in various cities across the country for allegedly appearing in NEET UG 2024 in place of original candidates. "NTA also conducts post-exam data analysis to detect cases of Unfair Means (UFM). Action on UFM cases is taken as per extant rules, which include cancellation of candidature and debarring from future examinations," the exam body stated. This year, over 24 lakh students, the highest ever, registered for NEET UG 2024. The examinees include over 10 lakh male students and over 13 lakh female students.

The NTA attributed the increase in the number of students appearing in the exam to the option of several smaller cities as centers, especially in the Northeast, apart from Puducherry, Jammu and Kashmir, and other states. The NTA urges candidates, their parents, teachers, and all concerned not to pay heed to any rumors and to concentrate on forthcoming examinations. The NEET (UG) 2024 was conducted across 4,750 centres in 571 cities (including 14 cities abroad) on May 5.

मेरी निजी जिंदगी... पत्नी-पिता से विवाद के बीच गौतम सिंघानिया ने बताई राज की बात!

नई दिल्ली, एजेंसी। रेमंड के सीएमडी गौतम सिंघानिया ने निजी जिंदगी और कारोबार के अलग-अलग होने की बात कही है। पत्नी और पिता से विवाद के बीच उन्होंने कहा है कि उनका निजी जीवन उनके व्यवसायों से जुड़ा नहीं है। कोरोना महामारी के बाद से उनके कारोबार ने जोरदार बढ़त हासिल की। रेमंड कपड़ा और परिधान बनाने वाली प्रमुख कंपनी है। 58 साल के सिंघानिया अभी उनसे अलग हो चुकीं पत्नी नवाज मोदी सिंघानिया से सेटेलमेंट विवाद में उलझे हुए हैं। दोनों ने पिछले साल नवंबर में अलग होने की घोषणा की थी। गौतम के पिता विजयपत सिंघानिया का झुकाव भी बहू की तरफ है। रेमंड के प्रमुख ने ईटी को दिए इंटरव्यू में बताया कि हाल ही में कुछ समूह कंपनियों के बोर्ड से नवाज मोदी को हटाया जाना उनके प्रति विश्वास की कमी के कारण था।

गौतम सिंघानिया बोले, मैं इस पर बात नहीं करना चाहता हूं कि हमारे बीच क्या हुआ है। सभी कारोबार बढ़ रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनका निजी जीवन निजी है। वह इसे व्यक्तिगत रूप से देखेंगे। उन्होंने दो प्यारी बेटियों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने उनके हित में बयानबाजी करने से इनकार किया है। गौतम सिंघानिया ने यह कहते हुए निष्कर्ष निकाला कि उनका निजी जीवन व्यवसाय क्षेत्र में किसी के लिए भी प्रासंगिक नहीं है।

पिछले साल 22 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (क्चस्श्व) में रेमंड का शेयर 1,666 रुपये के निचले स्तर पर पहुंच गया था। ऐसी खबरें आई थीं कि नवाज मोदी सिंघानिया ने संपत्ति का 75त्न हिस्सा मांगा है। उस समय से शेयर में बेहतरी देखी गई है। 3 मई तक शेयर की कीमत 2,227.45 रुपये पर थी।

इंदौर से हार्दिक पाटीदार ने किया टॉप, जिले में इन स्कूलों का परिणाम 99 फीसदी

इंदौर। काउंसिल फार द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन ने सोमवार को 10वीं और 12वीं का रिजल्ट घोषित किया। इंदौर जिले के छह स्कूलों से विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। दोनों कक्षाओं में की परीक्षा में करीब 800 परीक्षार्थी शामिल हुए थे।जिले में इन स्कूलों का परिणाम 99 फीसदी रहा है। 12वीं के गणित संकाय में टापर श्रवि बंसल को 97.5 फीसदी अंक प्राप्त हुए हैं। 10वीं में विद्यार्थियों का अच्छा प्रदर्शन रहा है, जिसमें हार्दिक पाटीदार को 98.6 फीसदी अंक आए हैं।स्कूल प्रबंधन के मुताबिक, गत वर्ष की तुलना में इस बार बेहतर परिणाम आए है। 12वीं पास कर चुके परीक्षार्थियों ने अब इंजीनियर और डॉक्टर बनने की इच्छा जताई है। विद्यार्थियों के मुताबिक, प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए इंटरनेट मीडिया से दूरी बनाई थी।बेहतर अंक लाने वाले अधिकांश परीक्षार्थियों ने स्कूल और घर पर ही सेल्फ स्टडी की। पालकों ने भी बच्चों को बेहतर तैयारी के लिए प्रेरित किया।

मप्र-छग. सीआइएसई ऐसोसिएशन की अध्यक्ष डा. भावना चेलावत ने बताया कि पिछले साल की तुलना में इस बार 10वीं और 12वीं का परीक्षा परिणाम बेहतर आया है। मप्र में ओवरआल 99 फीसदी परिणाम रहा है।

अनाज व्यापारी का बेटा जिसने मारी लंबी छलांग, 13,100 करोड़ का महासाम्राज्य बना डाला!

नई दिल्ली, एजेंसी। मोतीलाल ओसवाल देश के फाइनेंशियल सेक्टर में जाना-पहचाना नाम हैं। वह मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के एमडी और सीईओ हैं। उन्होंने को-प्रमोटर रामदेव अग्रवाल के साथ मिलकर 1987 में इस कंपनी की स्थापना की थी। रामदेव अग्रवाल चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। मोतीलाल ओसवाल के शानदार करियर में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज इंडियन मर्चेंट चैंबर के गवर्निंग बोर्ड और बीएसई, एनएसई, सेबी और सीडीएसएल की समितियों में लीडरशिप रोल पर रहना शामिल है। 1.6 अरब डॉलर (करीब 13,100 करोड़ रुपये) की कुल अनुमानित संपत्ति के साथ उन्होंने इस सेक्टर में अहम योगदान दिया है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की स्थापना 1987 में मोतीलाल ओसवाल और रामदेव अग्रवाल ने एक छोटी सब-ब्रोकिंग यूनिट के रूप में की थी। समय के साथ कंपनी पूर्ण-वित्तीय सेवा फर्म के रूप में विकसित हुई है। यह निजी संपत्ति, रिटेल ब्रोकिंग और डिस्ट्रीब्यूशन, इंस्टीट्यूशनल ब्रोकिंग, एसेट मैनेजमेंट, इंवेस्टमेंट बैंकिंग, प्राइवेट इक्विटी, कमोडिटी ब्रोकिंग, करेंसी ब्रोकिंग और होम फाइनेंस जैसे अलग-अलग प्रोडक्ट और सर्विसेज प्रदान करती है।

राजस्थान के बाड़मेर से जुड़ी हैं जड़ें

मोतीलाल ओसवाल की यात्रा राजस्थान के बाड़मेर में दूर-दराज के एक गांव पादरू से शुरू हुई। वह एक जैन परिवार से थे जिनका अनाज व्यापार का बैकग्राउंड था। उनके पिता अनाज कारोबारी थे। लेकिन, मोतीलाल ओसवाल ने पारिवारिक व्यवसाय से हटकर औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने का विकल्प चुना। उन्होंने अपनी शिक्षा की यात्रा फालना में एसपीयू जैन कॉलेज और बाद में मुंबई से की। मायानगरी में उन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंसी की पढ़ाई शुरू की। इसी शहर में उनकी मुलाकात रामदेव अग्रवाल से हुई। इसके बाद एक पार्टनरशिप हुई जिसने फाइनेंशियल इंडस्ट्री को नया आकार दिया।

कई मुश्किलों का करना पड़ा सामना

शुरुआती दिनों में ओसवाल और अग्रवाल को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। जैसे क्लाइंट के ऑर्डर को संभालने के लिए बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज से सबसे नजदीकी पेफोन तक एक मील पैदल चलना पड़ता था। हालांकि, उनकी दृढ़ता और साझा लक्ष्य ने उन्हें आगे बढ़ाया। ओसवाल की शैक्षिक पृष्ठभूमि और उद्यमशीलता की प्रेरणा ने वित्तीय क्षेत्र में उनके प्रवेश की नींव रखी।

ओसवाल ने इन चीजों पर किया फोकस

मोतीलाल और रामदेव ने अपनी साझेदारी को औपचारिक रूप दिया। फिर दोनों ने मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड की स्थापना की। इसने एक परिवर्तनकारी यात्रा की शुरुआत की। जैसे-जैसे कंपनी बढ़ी, ओसवाल और अग्रवाल ने अलग-अलग जिम्मेदारियां संभालीं। ओसवाल ने ग्राहक सहायता, मानव संसाधन, संचालन और फ्रैंचाइज नेटवर्क के विस्तार पर फोकस किया। वहीं, अग्रवाल ने वित्तीय पहलुओं और शोध प्रयासों की देखरेख की। दोनों ने वित्तीय क्षेत्र की जटिलताओं को समझने के लिए मिलकर काम किया। अपने ज्ञान और नए तरीकों का इस्तेमाल करके मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को सफल बनाने में मदद की।

अब पापा का बिजनेस संभालने का बना लिया मन, अनन्या बिरला ने छोड़ा माइक

नई दिल्ली, एजेंसी। आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला की सबसे बड़ी बेटी अनन्या बिड़ला ने संगीत से ब्रेक लेने का फैसला किया है। अनन्या अब बिजनेस पर ध्यान देंगी। अनन्या बिड़ला (30) ने अपने बिजनेस पर पूरा ध्यान लगाने के लिए संगीत से ब्रेक लेने की घोषणा की है। अनन्या ग्रासिम, आदित्य बिड़ला मैनेजमेंट कॉर्पोरेशन और आदित्य बिड़ला फैशन जैसी कंपनियों के बोर्ड में शामिल हैं। सोशल मीडिया पर अनन्या ने लिखा है कि दोस्तों, यह बहुत मुश्किल फैसला रहा है। मैं एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई हूं, जहां मेरे खुद के बिजनेस और संगीत को संभालना लगभग असंभव होता जा रहा है। इसका मुझ पर काफी बुरा असर पड़ रहा है। पिछले सालों में मैंने जो संगीत जारी किया है, उसके लिए आप सभी के प्यार का शुक्रिया। उम्मीद है कि एक दिन हम अपने देश के लोगों द्वारा बनाए गए अंग्रेजी संगीत की सराहना कर सकेंगे। हमारे देश में बहुत प्रतिभा है। एक बार फिर धन्यवाद। अब समय है कि मैं अपनी सारी ऊर्जा बिजनेस की दुनिया में लगा दूं।

अनन्या जब अपनी किशोरावस्था में थी तब उन्होंने स्वतंत्र माइक्रोफिन की स्थापना की थी, जो देश के सबसे तेजी से बढ़ते माइक्रोफाइनेंस संस्थानों में से एक है। मार्च में, स्वतंत्रा ने, जिसने 2018 में माइक्रो हाउसिंग फाइनेंस और 2023 में सचिन बंसल (फ्लिपकार्ट के सह-संस्थापक) से चैतन्य इंडिया फिन क्रेडिट खरीदा था। इसे निजी इक्विटी दिग्गज एडवेंट इंटरनेशनल और मल्टीपल्स से 1,930 करोड़ रुपये (230 मिलियन डॉलर) का इक्विटी निवेश हासिल हुआ। यह सौदा भारत के माइक्रोफाइनेंस क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा निजी इक्विटी निवेश माना जाता है।

टाटा मोटर्स की पंच बनी देश की बेस्ट-सेलिंग कार

- ▶▶ मार्च और अप्रैल में मारुति की गाड़ियों को पीछे छोड़ा
- ▶▶ हाल में टाटा मोट्र्स ने बड़ा बाजार हासिल किया है

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी से अब सबसे लोकप्रिय कार का तमगा छिन गया है। इस रेस में टाटा मोटर्स ने बाजी मार ली है। भारतीय कार उद्योग में सबसे बड़े उलटफेर में से एक में टाटा की मिनी एसयूवी पंच देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली मॉडल बन गई है। उसने मारुति के लोकप्रिय मॉडल वैगनआर, स्विफ्ट और ब्रेजा को पीछे छोड़ दिया है। पंच ने मार्च 2024 में पहली बार यह उपलब्धि अपने नाम की। मार्च में पंच की कुल 17,547 गाड़ियां बिकीं जबकि वैगनआर 16,368 यूनिट के साथ तीसरे स्थान पर रही। इंडस्ट्री के एनालिस्ट्स के मुताबिक मार्च में हुंडई की एसयूवी क्रेटा बिक्री के मामले में दूसरे नंबर प रही। उसकी बिक्री कुल 16,458 यूनिट रही।

पंच ने अप्रैल में भी यही कारनामा दोहराया। वैगनआर की 17,850 यूनिट के मुकाबले उसकी बिक्री 19,158 यूनिट रही। मारुति की ब्रेजा एसयूवी 17,113 यूनिट के साथ तीसरे नंबर पर रही। ऐसा कम ही देखने को मिलता है कि देश की टॉप सेलिंग कार में मारुति का गाड़ी न हो। जिस तरह पंच ने लगातार दो महीने टॉप पोजीशन हासिल की है, उससे लगता है कि आने वाले दिनों में यह ट्रेंड बना रह सकता है। ये आंकड़े भारतीय कार उद्योग में बदलती तस्वीर को दर्शाते हैं। पिछले कुछ वर्षों में टाटा मोटर्स ने कई बदलाव किए हैं। आज यह बिक्री के हिसाब से मारुति और हुंडई के बाद देश की तीसरी सबसे बड़ी कंपनी बन गई है। पंच, नेक्सन, टियागो और अल्ट्रोज जैसे मॉडलों से कंपनी ने जबरदस्त वापसी की है।

कितनी है कीमत

वित्त वर्ष 24 में ऐसे मौके आए जब टाटा ने हुंडई को पछाड़कर दूसरा स्थान हासिल किया। विश्लेषकों का कहना है कि यह देश की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी बन सकती है। इसकी वजह यह है कि कंपनी तेजी से नए मॉडल ला रही है और इलेक्ट्रिक कार बाजार में उसका दबदबा है। पंच के पेट्रोल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वर्जन उपलब्ध हैं। इसके पेट्रोल वर्जन की कीमत 6.1 लाख रुपये (एक्स-शोरूम दिल्ली) से शुरू होती है जबकि इलेक्ट्रिक वर्जन की कीमत 11 लाख रुपये से अधिक है। हालांकि, भारतीय बाजार में अब भी मारुति का दबदबा है। मार्च में टॉप 10 सबसे अधिक बिकने वाले मॉडलों में से छह मारुति के थे और अप्रैल में यह संख्या सात थी। जानकारों का कहना है कि मारुति रिटेल मार्केट में मजबूत पकड़ बना रही है। कंपनी वेटिंग पीरियड के मुताबिक मॉडलों के उत्पादन को एडजस्ट करती है। इससे कुछ वाहनों की बिक्री प्रभावित होती है। हालांकि, टाटा का प्रदर्शन बहुत अच्छा है और जैसे-जैसे इसके मॉडल बाजार में ज्यादा स्वीकार्य होते जा रहे हैं, वैसे-वैसे कंपनी का आत्मविश्वास भी बढ़ता जा रहा है। कंपनी मौजूदा मॉडलों में इलेक्ट्रिक वर्जन जोड़ रही है। साथ ही इलेक्ट्रिक या ग्रीन कारों को लाने पर भी काम कर रही है।

सोना 230 रुपये उछला, चांदी 700 रुपये मजबूत हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने का भाव 230 रुपये की तेजी के साथ 72,250 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। पिछले सत्र में सोना 72,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। इस दौरान चांदी भी 700 रुपए उछलकर 84,300 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले कारोबारी सत्र में यह 83,600 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी के अनुसार दिल्ली के बाजारों में 24 कैरेट सोने की हाजिर कीमत 230 रुपये की तेजी के साथ 72,250 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। विदेशी बाजारों में कॉमेक्स पर सोने का हाजिर भाव 11 डॉलर की तेजी के साथ 2,312 डॉलर प्रति औंस हो गया। इस दौरान चांदी के भाव भी तेजी के साथ 27.05 डॉलर प्रति औंस हो गया। पिछले सत्र में चांदी 26.55 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई थी।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर वायदा कारोबार में सोना 562 रुपये उछलकर 71,230 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता दिखा। सबसे ज्यादा कारोबार वाले जून अनुबंध ने कारोबार के दौरान 71,297 रुपये प्रति 10 ग्राम का उच्च स्तर छुआ। इसके अलावा चांदी के जुलाई डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत भी 1,508 रुपये अथवा 1.86 प्रतिशत की तेजी के साथ 82,551 रुपये प्रति किग्रा हो गई।

मध्य पूर्व में नए सिरे से संघर्ष शुरू होने और अमेरिका में नौकरियों के कमजोर आंकड़ों के कारण एमसीएक्स पर सोना 500 रुपये से अधिक बढ़कर 71,200 रुपये पर पहुंच गया। इन आंकड़ों ने अमेरिकी ब्याज दर में कटौती की उम्मीदों को बढ़ा दिया, जो सोने की कीमतों के लिए सकारात्मक है। एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष (जिंस व मुद्रा) शोध विश्लेषक जतीन त्रिवेदी के अनुसार निकट भविष्य में सोना के 70,000 से 72,500 रुपये के दायरे में कारोबार कर सकता है।

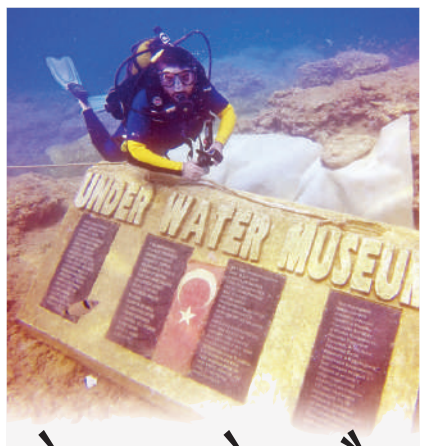

बेहद अनोखा है तुर्किए का ये म्यूज़ियम, पानी के अंदर मौजूद हैं 117 मूर्तियां

म्यूजियम ये नाम सुनते ही दिमाग में पुरानी चीज़ों को सहेजकर रखने वाली जगहों का ध्यान आता है। हालांकि बदलते समय के साथ अब म्यूजियम्स में आकर फन और एडवेंचर का एक्सपीरियंस भी लिया जा सकता है।

आपने म्यूज़ियम तो बहुत देखें होंगे लेकिन कभी सोचा है कि पानी के अंदर भी म्यूज़ियम हो सकता है? तुर्किए का पहला अंडरवाटर म्यूज़ियम देखने लायक है। साइड अंडरवाटर म्यूज़ियम अंताल्या के मानवघाट जिले के साइड शहर में है। यह म्यूज़ियम तट से 1.5 मील दूर और 12-20 मीटर की औसत गहराई पर है। इस म्यूज़ियम में 117 मूर्तियां हैं।

ये मूर्तियां ऐसी सामग्रियों से बनी है, जो कि पानी के अंदर सुरक्षित रह सकती हैं। वे समुद्री जीवों को नुकसान पहुंचाए बिना वहां रह सकती है। यह म्यूज़ियम मेक्सिको में मैक्सिकन अंडरवाटर म्यूज़ियम के बाद दूसरे स्थान पर है, जो 400 मूर्तियों के साथ पहले स्थान पर है। म्यूज़ियम में आने वाले लोगों के पास प्रोफेशनल डाइविंग सर्टिफिकेट होना ज़रूरी है।

बिहार की इस गुफा में छिपा है सोने का खजाना

तोप भी नहीं उड़ा पाई गुफा का दरवाजा

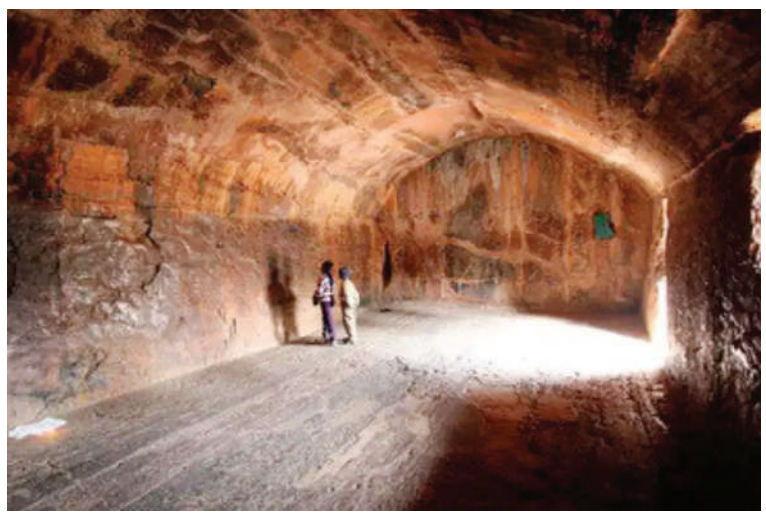

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में मिला सोने का भंडार अब पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गया है। लेकिन क्या आपको पता है कि बिहार में भी एक जगह सोने का भंडार है, लेकिन वहां से सोना निकालना लगभग नामुमकिन है। दरअसल, वहां एक रहस्यमय दरवाजा है, जिसे आजतक कोई भी खोल नहीं पाया है। कई बार इसे खोलने की कोशिश की गई, लेकिन हर बार नाकामी ही हाथ लगी।

सोने का यह भंडार बिहार के राजगीर में एक गुफा के अंदर है, जिसके बारे में कहा जाता है कि इसमें मगध साम्राज्य के सम्राट यानी मौर्य शासक बिम्बिसार का बेशकीमती खजाना छुपा है, जिसे आज तक कोई नहीं खोज पाया है। इसे सोन भंडार के नाम से जाना जाता है। दरअसल, राजगीर प्राचीन समय में मगध की राजधानी था। यही पर भगवान बुद्ध ने बिम्बिसार को धर्मोपदेश दिया था। यह शहर भगवान बुद्ध से जुड़े स्मारकों के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। हालांकि कुछ लोग इस खजाने को पूर्व मगध सम्राट जरासंघ का भी बताते हैं, लेकिन वहां इस बात के प्रमाण ज्यादा हैं कि यह खजाना बिम्बिसार का ही है, क्योंकि इस गुफा से कुछ दूरी पर उस जेल के अवशेष हैं, जहां अजातशत्रु ने अपने पिता बिम्बिसार को बंदी बना कर रखा था। सोन भंडार गुफा में प्रवेश करते ही पहले एक बड़ा सा कमरा आता है। कहते हैं कि यह कमरा खजाने की रक्षा करने वाले सैनिकों के लिए बनाया गया था। इसी कमरे की पिछली दीवार से खजाने तक पहुंचने का रास्ता बना हुआ है, जिसका द्वार एक पत्थर के दरवाजे से बंद किया हुआ है। इस दरवाजे को आज तक कोई नहीं खोल पाया है। गुफा की एक दीवार पर शंख लिपि मे कुछ लिखा हुआ है जो आज तक पढ़ा नहीं जा सका है। कहा जाता है कि इसमें ही खजाने के दरवाजे को खोलने का तरीका लिखा हुआ है, लेकिन इस लिपि को पढ़ने में दुनियाभर के लोग नाकाम रहे हैं। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि बिम्बिसार के खजाने तक पहुंचने का रास्ता वैभवगिरी पर्वत सागर से होकर सप्तपर्णी गुफाओं तक जाता है, जो सोन भंडार गुफा की दूसरी ओर पहुंचती है।

कहा जाता है कि अंग्रेजों ने एक बार तोप से खजाने के दरवाजे को तोड़ने की कोशिश की थी, लेकिन वो इसे तोड़ नहीं पाए। तोप के गोले के निशान आज भी दरवाजे पर मौजूद हैं।

हर्यक वंश के संस्थापक बिम्बिसार की पत्नी ने छिपाया था खजाना

भारत विविधताओं वाला देश है। उत्तर में हिमालय है तो दक्षिण में कन्याकुमारी है। पश्चिम में कच्छ है तो पूर्व में बंगाल की खाड़ी है। इसके साथ ही कई ऐसे रहस्यमयी स्थान है जो विज्ञान के लिए आज भी पहेली बनी हुई है। इन पहेलियों में एक पहेली सोन भंडार है जो कि बिहार राज्य के राजगीर में स्थित है। ऐसा कहा जाता है कि इस जगह पर सोने का खजाना है, जिसे हर्यक वंश के संस्थापक बिम्बिसार की पत्नी ने छिपा रखा है। आज तक कोई इस खजाना तक नहीं पहुंच पाया है। अंग्रेजों ने एक बार कोशिश भी की थी, लेकिन वे इसमें सफल नहीं हो पाए थे। यह स्थान बिहार राज्य के राजगीर में स्थित है। इतिहास की माने तो हर्यक वंश के संस्थापक बिम्बिसार को सोने चांदी से बेहद लगाव था। इसके लिए वह सोना और उसके आभूषणों को इकट्ठा करते रहते थे। उनकी कई रानियां थी, जिनमें एक रानी बिम्बिसार की पसंद का पूरा ख्याल रखती थी। जब अजातशत्रु ने अपने पिता को बंदी बना लिया और कारागार में डाल दिया। तब बिम्बिसार की पत्नी ने राजगीर में यह सोन भंडार बनवाया था। इस गुफा में राजा द्वारा इकट्ठा किए गए सभी खजानों को छिपा दिया गया था। आज तक यह गुफा विज्ञान के लिए पहेली है। इस गुफा में दो बड़े कमरे एक समान बनाए गए थे। एक गुफा में सैनिक रहते थे। जबकि दूसरे कमरे में खजानों को छिपाया गया था। इस कमरे को एक बड़े से चट्टान से ढका गया है, जिसे आज तक कोई खोलने में कामयाब नहीं हो पाया है। इस दरवाजे पर शंख लिपि में कुछ लिखा है। इस बारे में कहा जाता है कि अगर कोई इस लिपि को पढ़ने में सफल हो जाता है तो वह सोन भंडार को खोल सकता है। आजादी से पूर्व अंग्रेजों ने एक बार तोप से इस दरवाजे को उड़ाने की कोशिश की थी, लेकिन उन्हें इसमें सफलता नहीं मिली। इसके बाद से किसी ने दरवाजे को खोलने की कोशिश नहीं की है।

क्या कहानी है खजाने की...

भारत में ऐसे कई स्पॉट्स है, जहां राजा-महाराजाओं का खजाना छिपे होने की बातें होती हैं। ऐसी ही एक कहानी सोन भंडार गुफा के बारे में भी प्रचलित है। जो बिहार के नालंदा जिले के राजगीर में आती है।

- मौर्य शासक बिंबिसार ने अपने शासन काल में राजगीर में एक बड़े पहाड़ को काटकर अपने खजाने को छुपाने के लिए गुफा बनाई थी।
- जिस कारण इस गुफा का नाम पड़ा था सोन भंडार। इस गुफा के बारे में कहा जाता है कि सोने को सहेजने के लिए इस गुफा को बनवाया गया था।
- पूरी चट्टान को काटकर यहां पर दो बड़े कमरे बनवाए गए थे।
- गुफा के पहले कमरे में जहां सिपाहियों के रुकने की व्यवस्था थी। वहीं, दूसरे कमरे में खजाना छुपा था।
- दूसरे कमरे को पत्थर की एक बड़ी चट्टान से ढंका गया है। जिसे आज तक कोई नहीं खोल पाया।

अंग्रेजों ने की थी तोप से उड़ाने की कोशिश, हुए थे नाकाम

- अंग्रेजों ने इस गुफा को तोप के गोले से उड़ाने की कोशिश की थी, लेकिन वे इसमें नाकामयाब रहे थे। आज भी इस गुफा पर उस गोले के निशान देखे जा सकते हैं।
- अंग्रेजों ने इस गुफा में छुपे खजाने को पाने के लिए यह कोशिश की थी, लेकिन नाकाम होने पर वे वापस लौट गए।

अंदर जाते ही 10 मीटर लंबा चट्टान का कमरा मौजूद है यहां पर

- सोन भंडार गुफा में अंदर घुसते ही 10.4 मीटर लंबा चौड़ा और 5.2 मीटर चौड़ा कमरा है। इस कमरे की ऊंचाई लगभग 1.5 मीटर है।
- यह कमरा खजाने की रक्षा करने वाले सैनिकों के लिए बनाया गया था। इसी कमरे के दूसरी ओर खजाने का कमरा है, जो कि एक बड़ी चट्टान से ढंका हुआ है।

किस भाषा में लिखा है खजाने का कमरा खोलने का रहस्य

- मौर्य शासक के समय बनी इस गुफा की एक चट्टान पर शंख लिपि में कुछ लिखा है।
- इसके संबंध में यह मान्यता प्रचलित है कि इसी शंख लिपि में इस खजाने के कमरे को खोलने का राज लिखा है।

जैन धर्म के भी हैं अवशेष

इस जगह पर जैन धर्म के अवशेष भी देखने को मिलते हैं। यहां पर दूसरी ओर बनी गुफा में 6 जैन धर्म तीर्थंकरों की मूर्तियां भी चट्टान में उकेरी गई हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि यहां पर जैन धर्म के अनुयायी भी रहे थे। तीसरी और चौथी शताब्दी में बनी हैं दोनों गुफा दोनों ही गुफा तीसरी और चौथी शताब्दी में चट्टानों को काटकर बनाई गई हैं। इन गुफाओं के कमरों को पॉलिश किया गया है।

चट्टानों पर लिखी गयी है शंखलिपि भाषा

बिहार के साथ-साथ दूर-दराज़ के राज्यों से भी लोग इस गुफा को देखने आते हैं। इसके साथ ही भारतीय एवं अंतराष्ट्रीय पुरातत्त्वज्ञ भी इस गुफा के पीछे छिपे राज़ का पता लगाने यहाँ आते हैं। लेकिन हैरानी की बात तो यह है कि आज जब साइंस और टेक्नोलॉजी इतनी उन्नति कर चुकी है, उसके बावजूद भी इस गुफा के कमरों को खोला नहीं जा सका।

दुनिया का अनोखा रेलवे स्टेशन जिसका नहीं है कोई नाम

भारतीय रेल एशिया का दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। इतना ही नहीं एकल सरकारी स्वामित्व के मामले में भारतीय रेल विश्व का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। भारत में कुल रेलवे स्टेशन की संख्या 8000 के करीब है। कई ऐसे रेलवे स्टेशन हैं जो काफी मशहूर हैं। लेकिन आज हम आपको भारत के एक ऐसे अनोखे रेलवे स्टेशन के बारे में बताएंगे, जिसकी अपनी कोई पहचान ही नहीं है। इस स्टेशन का कोई नाम नहीं है। इस बात को जानकर आपको हैरानी भी हो रही होगी कि भला ऐसे कैसे हो सकता है। तो आपको बता दें कि यह स्टेशन पश्चिम बंगाल में है जिसका अपना कोई नाम नहीं है। यह स्टेशन पश्चिम बंगाल के बर्धमान से लगभग 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

बांकुरा-मैसग्राम रेल लाइन पर स्थित यह स्टेशन दो गांवों रैना और रैनागढ़ के बीच में पड़ता है। शुरुआत में इस स्टेशन को रैनागढ़ के नाम से जाना जाता था। रैना गांव के लोगों को यह बात पसंद नहीं आई क्योंकि इस स्टेशन की बिल्डिंग का निर्माण रैना गांव की जमीन पर किया गया था। रैना गांव के लोगों का मानना था कि इस स्टेशन का नाम रैनागढ़ की जगह रैना होना चाहिए।

ये है नाम न होने की वजह

ये रेलवे स्टेशन पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले से लगभग 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है. बांकुरा-मैसग्राम रेल लाइन पर स्थित यह स्टेशन दो गांवों रैना और रैनागढ़ के बीच में पड़ता है. रैना और रैनागढ़ के बीच में होना ही इसका नाम न होने की वजह है. ऐसा कहा जाता है कि इस स्टेशन को 2008 में तैयार किया गया था. उस समय इस स्टेशन का नाम रैनागढ़ रखा गया. लेकिन इस स्टेशन की बिल्डिंग का निर्माण रैना गांव की जमीन पर किया गया था, इसलिए रैना गांव के लोगों को ये बात अच्छी नहीं लगी और इसके नाम को लेकर विवाद छिड़ गया.

रेलवे ने मिटा दिया साइन बोर्ड्स से नाम

रैना गांव के लोगों का कहना था कि इस स्टेशन का नाम रैना होना चाहिए, जबकि रैनागढ़ वालों का कहना था इसके नाम को नहीं बदला जाए. ये विवाद इतना बढ़ गया कि रेलवे बोर्ड तक पहुंच गया. इस विवाद के चलते रेलवे ने यहां लगे सभी साइन बोर्ड्स से स्टेशन का नाम मिटा दिया. इसके कारण स्टेशन पर आने वाले सभी यात्रियों को काफी समस्या होती है. जो भी यात्री यहां आता है, बिना नाम का साइन बोर्ड को देखकर उसका सिर चकरा जाता है और कन्फ्यूजन हो जाता है कि वो सही जगह आया है या नहीं. हालांकि रेलवे की तरफ से आज भी स्टेशन का टिकट रैनागढ़ के नाम से ही जारी किया जाता है.

गौतम गंभीर की वजह से निकल रहा है नरेन-रसेल का बेस्ट

इतिहास रचने की दहलीज पर केकेआर

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्सका प्रदर्शन काफी शानदार रहा है. केकेआर ने मौजूदा सीजन में अब तक 11 में से आठ मुकाबले जीते हैं और वह अंकतालिका में पहले नंबर पर है. पिछले दो सीजन में कोलकाता की टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाई थी. मगर इस बार वह प्लेऑफ में पहुंचने की दहलीज पर है.

क्या टॉप पर रहते हुए प्लेऑफ में पहुंचेगी कोलकाता नाइट राइडर्स ?

कोलकाता नाइट राइडर्स आने वाले मैचों में यदि अच्छा प्रदर्शन करती है तो उसके पास टॉप पर रहते हुए प्लेऑफ में पहुंचने का मौका होगा. इससे पहले वह कभी भी टॉप पर रहते हुए प्लेऑफ में नहीं पहुंची है. साल 2012 और 2014 में केकेआर ग्रुप स्टेज में दूसरे स्थान पर रही थी और फिर आगे चलकर चैम्पियन बनी. कोलकाता नाइट राइडर्स के इस शानदार प्रदर्शन में कैरेबियाई धुरंधरों सुनील नरेन और आंद्रे रसेल की अहम भूमिका रही है. नरेन ने फिल साल्ट के साथ मिलकर कोलकाता को ज्यादातर मुकाबलों में बल्ले से धमाकेदार शुरुआत दिलाई है. साथ ही नरेन ने गेंदबाजी में भी कमाल किया है. वहीं रसेल ने फिनिशर रोल निभाने के साथ-साथ गेंद से अहम मौकों पर सफलता दिलाई है.

नरेन-साल्ट की ओपनिंग, फिर रसेल का धमाका...

सुनील नरेन और फिल साल्ट की ओपनिंग जोड़ी ने मौजूदा सीजन में अब तक 11 पारियों में 50.27 की औसत 553 रन जोड़े हैं. इस दौरान पांच मौके पर इस जोड़ी ने अर्धशतकीय और एक बार शतकीय पार्टनरशिप (138) की. साल्ट-नरेन की जोड़ी केकेआर के लिए एक आईपीएल सीजन में सर्वाधिक बार पचास या उससे ज्यादा की साझेदारी करने वाली जोड़ी है.

इस जोड़ी का रनरेट 12.56 रहा है जो उनकी तूफानी बैटिंग को बयां करता है. आईपीएल 2024 में सुनील नरेन ने अब तक 41.90 के एवरेज और 183.66 की स्ट्राइक रेट से 461 रन बनाए हैं. इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और तीन अर्धशतक निकले. उनका बेस्ट स्कोर 109 रन है. गेंदबाजी की बात करें तो नरेन ने 11 पारियों में 6.61 की इकोनॉमी रेट से 14 विकेट लिए. वहीं आंद्रे रसेल ने 11 पारियों में 10.16 की इकोनॉमी रेट से 13 विकेट लिए हैं. साथ ही रसेल ने 186.79 की स्ट्राइक रेट से 198 रन बनाए हैं.

IPL सीजन में 400 रन और 10 विकेट

शेन वॉटसन - 472 रन × 17 विकेट, 2008

जैक कैलिस - 572 रन × 13 विकेट, 2010

एंड्रयू साइमंड्स- 429 रन × 12 विकेट, 2010

जैक कैलिस- 409 रन × 15 विकेट, 2012

शेन वॉटसन- 543 रन × 14 विकेट, 2013

कीरोन पोलार्ड- 420 रन × 10 विकेट, 2013

आंद्रे रसेल- 510 रन × 11 विकेट, 2019

हार्दिक पंड्या - 402 रन × 14 विकेट, 2019

सुनील नरेन- 461 रन × 14 विकेट, 2024*

फिल साल्ट का प्रदर्शन भी काफी बेजोड़

फिल साल्ट की बात करें तो उनका प्रदर्शन भी बेजोड़ रहा है. साल्ट ने आईपीएल 2024 में अब तक 11 मैचों में 42.90 की औसत और 183.33 के स्ट्राइक रेट से 429 रन बनाए हैं. साल्ट के बल्ले से इस दौरान 4 अर्धशतक और उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 89 रन बनाए. साल्ट को आईपीएल 2024 की नीलामी में किसी ने नहीं खरीदा था, मगर जेसन रॉय के बाहर होने के बाद केकेआर ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया.

गंभीर के आने से टीम में नया उत्साह

कोलकाता नाइट राइडर्स के इस शानदार प्रदर्शन में टीम के मेंटर गौतम गंभीर की अहम भूमिका रही है. गंभीर ने ही सुनील नरेन को फिर से ओपनिंग करने के लिए मनाया था. नरेन ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में शतकीय पारी खेलने के बाद गंभीर की तारीफ की थी.

नरेन ने कहा था कि गंभीर ने ही उनमें फिर से ओपनिंग करने के लिए आत्मविश्वास भरा. बता दें कि गंभीर को मौजूदा सीजन की शुरुआत से पहले केकेआर का मेंटर चुना गया था. गंभीर की कप्तानी में ही केकेआर साल 2012 और 2014 के सीजन में आईपीएल चैम्पियन बनी थी. अब गंभीर के आने से टीम में नया उत्साह दिखा रहा है.

IPL में KKR का रिकॉर्ड-

- 2008- छठे स्थान पर
- 2009- 8वें स्थान पर
- 2010- छठे स्थान पर
- 2011- चौथे स्थान पर
- 2012- IPL चैम्पियन
- 2013- 7वें स्थान पर
- 2014- IPL चैम्पियन
- 2015- 5वें स्थान पर
- 2016- चौथे स्थान पर
- 2017- तीसरे स्थान पर
- 2018- तीसरे स्थान पर
- 2019- 5वें स्थान पर
- 2020- 5वें स्थान पर
- 2021- रनरअप
- 2022- सातवें स्थान पर
- 2021- सातवें स्थान पर
- 2021- सातवें स्थान पर

Saudi Smash 2024

मनिका बत्रा ने विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर मौजूद मान्यु को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक से पहले भारत की स्टार महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी ने सऊदी स्मैश टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। मनिका बत्रा ने इस दौरान विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज चीन की वांग मान्यु को हराकर अपने सिंगल्स करियर की सबसे बड़ी जीत के साथ प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व रैंकिंग में 39वें स्थान पर काबिज मनिका ने चीन की दूसरी वरीय खिलाड़ी के खिलाफ 37 मिनट तक चले मुकाबले को 6-11, 11-5, 11-7, 12-10 से अपने नाम किया।

शुरुआती गेम में हारकर की वापसी

मनिका टोक्यो ओलंपिक टीम की स्वर्ण पदक विजेता और 2021 विश्व चैंपियन के खिलाफ शुरुआती गेम हार गईं, लेकिन उन्होंने अगले दो गेम जीत कर वापसी की और फिर चौथे गेम में शानदार जज्बा दिखाते हुए चीन की खिलाड़ी को पछाड़कर मुकाबला अपने नाम किया। गैर वरीयता प्राप्त मनिका ने रविवार को रोमानिया की एंड्रिया ड्रैगोमैन को हराया था। वह मंगलवार को अंतिम 16 दौर में जर्मनी की 14वीं रैंकिंग की खिलाड़ी नीना मित्तेलहम से भिड़ेंगी।

यह मेरे करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि

भारत की 28 साल की इस खिलाड़ी ने कहा, यह मेरे सिंगल्स करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि है। मैं वास्तव में खुश हूं कि मैंने उसके खिलाफ जीत हासिल की।

मैं अपने कोच अमन बाल्गु और अपने प्रशिक्षकों के साथ कड़ी मेहनत कर रही हूं। आपको ऐसा कुछ हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करते रहना होगा। मुझ पर विश्वास करने के लिए आप सभी का धन्यवाद। मैं अपने अगले मैच में इस जज्बे को बरकरार रखूंगी।

हरमीत-यशस्विनी की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में

मिक्स्ड डबल्स में हरमीत देसाई और यशस्विनी घोरपड़े ने अल्वारो रोबल्स और मारिया जिओ की स्पेन की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी को 3-2 (11-5, 5-11, 3-11, 11-7,11-7) से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की।

भारतीय जोड़ी ने इससे पहले चिली के निकोलस बर्गोस और पॉलिना वेगा की जोड़ी को 3-2 (11-7, 9-11, 11-4, 4-11, 11-5) से हराया था। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता अयहिका और सुतिर्था मुखर्जी की जोड़ी ने मरियम और मारवा अल्होदाबी को 3-0 (11-7, 1-3, 11-4) से हराकर प्री-क्वार्टर में प्रवेश किया।

आईपीएल:2024

सूर्या के तूफान में उड़ा हैदराबाद

मुंबई, एजेंसी। आईपीएल 2024 का 55वां मुकाबला मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जा रहा है। इस मैच में मुंबई की टीम प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए उतरेगी जबकि हैदराबाद अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगी। मुंबई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। सनराइजर्स हैदराबाद ने 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 173 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने सूर्या और तिलक की 100+ रनों की साझेदारी की बदौलत मुकाबला सात विकेट से जीत लिया।

मुंबई की सात विकेट से जीत

मुंबई इंडियंस ने सूर्यकुमार यादव के शतक की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हरा दिया। एमआई की इस जीत में तिलक वर्मा ने भी अहम योगदान दिया। दोनों के बीच 143 रनों की नाबाद साझेदारी हुई। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में हैदराबाद के गेंदबाजों को संघर्ष करते देखा गया। मुंबई के बल्लेबाजों ने उनकी जमकर पिटाई की।

आईपीएल 2024 के 55वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 173 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 17.2 ओवर में तीन विकेट गंवाकर 174 रन बनाए और सात विकेट से मुकाबला जीत लिया। मुंबई इस जीत के साथ अंक तालिका में 10वें से नौवें पायदान पर पहुंच गई है। अब टीम के खाते में आठ अंक हो गए हैं। वहीं, नेट रनरेट -0.212 का हो गया है। इसके अलावा सनराइजर्स हैदराबाद 12 अंकों के साथ चौथे स्थान पर बरकरार है। मुंबई इंडियंस की इस मैच

में झटके के साथ शुरुआत हुई। सलामी बल्लेबाजी के लिए उतरे ईशान किशन 26 रन के स्कोर पर आउट हो गए। इसके बाद टीम को 31 रन के स्कोर पर दो झटे लगे।

कमिंस ने रोहित को आउट किया। इसके बाद पांचवें ओवर में भुवनेश्वर कुमार ने नमन धीर को आउट किया। वह बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। इसके बाद मोर्चा सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा ने संभाला। दोनों ने हैदराबाद के गेंदबाजों की जमकर खबर ली। सूर्या ने इस मुकाबले में 51 गेंदों का सामना किया और 102 रन बनाए। वहीं, तिलक वर्मा ने 37 रनों की पारी खेली। हैदराबाद के लिए भुवनेश्वर, जानसेन और कमिंस ने एक-एक विकेट चटकाया।

बुमराह को आराम देने पर बोले कोच पोलार्ड

मुंबई, एजेंसी। मुंबई इंडियंस के आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने के बावजूद बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने कहा कि टीम का तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम देने का कोई इरादा नहीं है। मुंबई ने सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराया जिसमें सूर्यकुमार यादव (नाबाद 102) ने आईपीएल में दूसरा शतक जड़ा।

मुंबई की यह 12 मैचों में चौथी ही जीत थी। टी20 विश्व कप को देखते हुए बुमराह को आराम देने के सवाल पर पोलार्ड ने कहा, 'हमने इस पर कोई बात नहीं की है। मुझे नहीं लगता कि यह मेरा काम है लेकिन देखते हैं कि क्या होता है। हम सभी यहां पूरा आईपीएल खेलने के लिए हैं। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य आईपीएल पूरा करना है। उसके बाद देखते हैं कि क्या होता है। पोलार्ड ने कहा कि बल्लेबाजी कोच होने के नाते सबसे कठिन काम सूर्यकुमार जैसे बल्लेबाज से आक्रामक खेल पर नियंत्रण कराना है। उन्होंने कहा, 'वह स्वाभाविक तौर पर आक्रामक बल्लेबाज है। वह हर गेंद को पीटन चाहता है। ऐसे में बल्लेबाजी कोच के लिए सबसे कठिन काम उसकी स्वाभाविक शैली को बदलना है। लेकिन बहुत ज्यादा नियंत्रण की भी जरूरत नहीं है क्योंकि आजकल क्रिकेट में इतने रन बन रहे हैं। वहीं सनराइजर्स के सहायक कोच सिमोन हेलमोट ने कहा कि सूर्यकुमार ने शानदार पारी खेलकर मैच उनकी जद से बाहर कर दिया। उन्होंने कहा, 'वह अद्भुत क्रिकेटर है और विश्व कप में भी वह अपनी छाप छोड़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

चैंपियंस ट्रॉफी :

टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की यात्रा करेगा भारत?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली जा रही है और दोनों ही टीमें सिर्फ आईसीसी टूर्नामेंट या एशिया कप जैसे बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में ही एक दूसरे से खेलती हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच अंतिम बार 2012-2013 में द्विपक्षीय सीरीज खेली गई थी। पाकिस्तान में अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होना है और भारतीय टीम के इस टूर्नामेंट के लिए पड़ोसी देश की यात्रा करने पर संशय है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने इस बारे में बयान दिया है। शुक्ला के अनुसार, अगले साल फरवरी-मार्च में होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने पर फैसला केंद्र सरकार की इजाजत पर निर्भर करेगा।

दोनों देशों के बीच नहीं खेली जाती है द्विपक्षीय सीरीज

भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली जा रही है और दोनों ही टीमें सिर्फ आईसीसी टूर्नामेंट या एशिया कप जैसे बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में ही एक दूसरे से खेलती हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच अंतिम बार 2012-2013 में द्विपक्षीय सीरीज खेली गई थी। भारत और पाकिस्तान की टीमें आखिरी बार पिछले साल भारत में खेले गए वनडे विश्व कप के दौरान भिड़ी थी जिसमें भारतीय टीम ने जीत दर्ज की थी। दोनों टीमों के बीच अगले महीने न्यूयॉर्क में टी20 विश्व कप के दौरान ग्रुप चरण का मुकाबला खेला जाएगा।

मजबूरी में आईपीएल 2024 खेल रहे हैं एमएस धोनी

नईदिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल 2024 के अपने पिछले मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ धर्मशाला के मैदान पर 16वें ओवर के आखिर में 122 रन पर 6 विकेट गंवा चुकी थी तो हर किसी को उम्मीद थी कि आज एमएस धोनी को जल्दी बल्लेबाजी के लिए आना पड़ेगा और एक बड़ी और तेजतर्रार पारी उनके बल्ले से देखने को मिलेगी। हालांकि, ऐसा हुआ नहीं। उनसे पहले शार्दुल ठाकुर बल्लेबाजी के लिए आए और ऐसे में धोनी की आलोचना हुई कि अगर वे ऊपर बल्लेबाजी नहीं कर सकते तो उनको क्रिकेट छोड़ देना चाहिए। हालांकि, सच्चाई कुछ और है। एमएस धोनी चोटिल हैं।

दरअसल, रिपोर्ट की मानें तो एमएस धोनी के पैर में चोट है। इस वजह से वे ज्यादा भाग-दौड़ नहीं कर सकते। यही वजह है कि एमएस धोनी आखिरी के एक या दो ओवर में बल्लेबाजी के लिए आते हैं। सीएसके के सूत्रों ने बताया है कि एमएस धोनी के पैर की एक मसल फटी हुई है, जिसके कारण वे तेज नहीं दौड़ सकते। सूत्र ने बताया है कि वे पूरा आईपीएल इस समस्या के साथ खेल रहे हैं।

मैं डेली लाइफ में मेकअप-फ्री रहना पसंद करती हूं: प्रियंका चाहर

एक्ट्रेस प्रियंका चाहर चौधरी ने बताया कि वह केवल काम के वक्त ही मेकअप लगाती हैं, वरना वह अपने डेली लाइफ में पूरी तरह नेचुरल रहना पसंद करती हैं। प्रियंका ने बात करते हुए बताया, मैं हमेशा मेकअप में नहीं रहती। मैं मेकअप केवल तभी लगाती हूं जब मैं काम कर रही होती हूं।

एक्ट्रेस, जिन्होंने शो उड़ारियां से तेजो सिंह विर्क के रूप में सुर्खियां बटोरीं, ने खुलासा किया कि चाहे वह एयरपोर्ट हो या मॉल या मार्केट में, वह मेकअप-फ्री रहना पसंद करती हैं। उनके पास एक ब्यूटी हैक है। उन्होंने आगे कहा, मैं बस एक काम करती हूं, मैं थोड़ी सी लिपस्टिक लगाती हूं। उस लिपस्टिक को मैं अपने गाल, माथे और पलकों पर भी लगा लेती हूं, यह ब्लश जैसा दिखता है। पूरा मेकअप ऐसे ही किया जाता है। अपनी ड्रेस चॉइस के बारे में बात करते हुए, प्रियंका ने कहा, आम तौर पर, मैं वेस्टर्न कपड़े पहनती हूं, जो मेरे लिए बहुत आरामदायक होते हैं। मुझे कुर्तियां भी बेहद पसंद हैं, वह भी बहुत आरामदायक हैं। आरामदायक कपड़े मेरा फैशन स्टेटमेंट हैं।

मन्नारा चोपड़ा का समर कलेक्शन बेहद सिंपल, कहा- भारतीय ड्रेस ज्यादा चुनती हूं

एक्ट्रेस मन्नारा चोपड़ा अपने फैशन कलेक्शन को सिंपल रखना पसंद करती हैं। वह वेस्टर्न आउटफिट के बजाय भारतीय ड्रेस को ज्यादा चुनती हैं, क्योंकि यह उन्हें आरामदायक लगता है। इस बारे में मन्नारा ने बात करते हुए कहा, मैं भारतीय आउटफिट्स ज्यादा पसंद करती हूं, क्योंकि यह गर्मियों के लिए बहुत आरामदायक है। बस जींस और जूती के साथ एक सुंदर लखनवी कुर्ती पहनें। मुझे अपने इस लुक से प्यार है। मन्नारा को अपना फैशन स्टेटमेंट सिंपल और आरामदायक पसंद है। अपने फैशन को आसान, सिंपल और कूल रखें। इससे ज्यादा कुछ मत करो। बस इसे मिनिमल रखो। बिग बॉस के 17वें सीजन से सुर्खियां बटोरने वाली एक्ट्रेस ब्यूटी के लिए ज्यादा कुछ नहीं करती। ब्यूटी के लिए मैं सादा-सा रूटीन फॉलो करती हूं। बस एक बेसिक गुलाब फेस वॉश लगाती हूं और ऑर्थेंटिक क्रीम का इस्तेमाल करती हूं, जिसे मेरी मां और मेरी दादी भी इस्तेमाल करती हैं। बॉम्बे टाइम्स फैशन वीक में डिजाइनर संध्या शाह के लिए रनवे पर वॉक करने वाली एक्ट्रेस ने कहा, यह ऑयली क्रीम है, बस इसे अपने पूरे चेहरे पर लगाएं, एसी चालू करें और सो जाएं, और फिर अगले दिन आप बिल्कुल तरोताजा हो जाएंगे। एक्ट्रेस ने बताया कि अगर वह बाहर जाती हैं, तो बालों का जूड़ा बना लेती हैं और ट्रैक पैंट और शर्ट पहनती हैं।

ईशा गुप्ता ने फिल्म जन्नत 2 के 12 साल पूरे होने का मनाया जश्न

निर्देशक कुणाल देशमुख की क्राइम थ्रिलर जन्नत 2 ने रविवार को हिंदी सिनेमा में अपने 12 साल पूरे कर लिए हैं। इसका जश्न मनाते हुए एक्ट्रेस ईशा गुप्ता ने एक वीडियो शेयर किया है। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म के गाने तेरा दीदार हुआ का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उनके साथ एक्टर इमरान हाशमी नजर आ रहे हैं। ईशा ने इसे कैप्शन दिया-, जन्नत 2 को 12 साल पूरे हुए। 2012 में रिलीज हुई जन्नत 2 की कहानी सोनू नाम के एक शख्स के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अवैध हथियारों का कारोबार करता है, लेकिन, बाद में एसीपी प्रताप रघुवंशी के साथ जुड़ जाता है, जो इस आपराधिक गतिविधि को खत्म करने का इच्छुक है। इसमें रणदीप हुड्डा भी हैं। यह 2008 की फिल्म जन्नत की अगली कड़ी के रूप में काम करती है, जिसमें इमरान और सोनल चौहान ने अभिनय किया था। इसमें एक जुआरी की यात्रा को दर्शाया गया है, जो एक क्रिकेट सट्टेबाज में बदल जाता है।

संक्षिप्त समाचार

बैड कैरेक्टर घोषित किए जाने वाले मामले में अमानतुल्लाह खान को राहत

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस द्वारा बैड कैरेक्टर घोषित किए गए आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। दरअसल दिल्ली पुलिस ने अमानतुल्लाह खान की हिस्ट्री शीट को देखते हुए उन्हें बैड कैरेक्टर घोषित किया था। जिसके खिलाफ अमानतुल्लाह खान ने शीर्ष अदालत का रूख किया था। इसपर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिस्ट्री शीट सिर्फ पुलिस के अंदरुनी डॉक्यूमेंट हैं और इसे पब्लिक डोमेन में नहीं लाया जाना चाहिए। अमानतुल्लाह खान ने अपनी याचिका में कहा था कि उनके खिलाफ बनाई गई हिस्ट्री शीट में उनके नाबालिग बेटों क पहचान उजागर की गई है। अदालत में जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जेव विश्वनाथन की खंडपीठ ने कहा, हिस्ट्री शीट पुलिस का आंतरिक दस्तावेज है और उसे सार्वजनिक नहीं किया जाना चाहिए। हम अथॉरिटी को यह सलाह देते हैं कि वो अपनी नीति में बदलाव लाएं और यह इस केस में भी लागू होगा। हम पुलिस कमिश्नर को भी सलाह देते हैं कि वो एक संयुक्त आयुक्त रैंक के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को नियुक्त करें जो इस विषय पर देखेंगे। वो हिस्ट्री शीट, उसकी सामग्री को देखेंगे ताकि इसकी गोपनीयता बनाई रखी जा सके। इसके अलावा ऐसे व्यक्ति/नाबालिग जो जांच के बाद निर्दोष पाए जाते हैं उनके नाम इस शीट से हटाए जाएं।

सैनिटरी पैड के कचरे के लिए एक्स्ट्रा पैसे कैसे ? सरकार पर भड़का सुप्रीम कोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए केरल सरकार को फटकार लगाई कि सैनिटरी कचरे के निपटान के लिए अतिरिक्त शुल्क कैसे लिया जा सकता है? शीर्ष अदालत ने अफसोस जताया कि एक तरफ हम मासिक धर्म स्वच्छता अभियान के लिए मुफ्त में सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध करा रहे हैं और दूसरी तरफ सरकार इसके कचरे के लिए पैसे ले रही है। अदालत ने सरकार से इस मामले में जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट इंदु वर्मा द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और केवी विश्वनाथन की पीठ ने राज्य सरकार से पूछा, एक तरफ, हम स्कूलों और अन्य संस्थानों में मुफ्त में सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराकर मासिक धर्म स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी कर रहे हैं और दूसरी तरफ, राज्य सैनिटरी कचरे के निपटान के लिए शुल्क ले रहे हैं। यह कैसे हो सकता है? आप इस पर जवाब दें। इंदु वर्मा ने अदालत में कार्यवाही के दौरान तर्क दिया कि जब ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों में ऐसा कोई प्रावधान मौजूद नहीं है तो राज्य सैनिटरी कचरे के निपटान के लिए लोगों से अतिरिक्त शुल्क कैसे ले सकता है? सरकार द्वारा घर-घर कचरा उठाने के लिए हॉयर की गई एजेंसियां लोगों से सैनिटरी नैपकिन, बच्चों और वयस्क डायपर के लिए अतिरिक्त शुल्क ले रही है। वर्मा ने अदालत से दरख्वास्त की कि इस तरह के लिए जा रहे शुल्क के लिए नियम होने चाहिए। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने केरल के कोच्चि शहर का विशेष रूप से उल्लेख किया गया, जहां इस तरह के शुल्क वसूले जा रहे हैं। वर्मा के तर्क से सहमति जताते हुए सैनिटरी कचरे के निपटान को लिए जा रहे अतिरिक्त शुल्क पर चिंता जताई।

दिल्ली की कोर्ट से सिसोदिया को फिर लगा झटका, नहीं मिली राहत; 15 मई तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को राहत नहीं मिली है। कोर्ट ने दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े सीबीआई केस में आप नेता की न्यायिक हिरासत 15 मई तक बढ़ा दी है। कोर्ट ने मामले में आरोप तय करने पर आगे की बहस के लिए 15 मई की तारीख भी तय की है। इससे पहले कोर्ट ने 30 अप्रैल को सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। तब उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। सिसोदिया एक साल से ज्यादा समय से जेल में बंद है। 28 अप्रैल को ट्रायल कोर्ट ने ईडी केस में उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

ट्रायल कोर्ट ने आप नेता की याचिका ऐसे समय पर खारिज की है जब हाईकोर्ट ने सिसोदिया की जमानत याचिका के

संबंध में जवाब देने के लिए हाल ही में सीबीआई और ईडी को नोटिस जारी किया है। जस्टिस स्वर्णा कांति शर्मा की पीठ ने सीबीआई के साथ ही ईडी से भी जवाब मांगा है और मामले की सुनवाई 8 मई के लिए निर्धारित की है। कोर्ट ने हफ्ते में एक बार सिसोदिया को अपनी पत्नी से मिलने की भी अनुमति दी। हालांकि, यह निर्देश भी दिया कि हिरासत पैरोल की अनुमति वाला ट्रायल कोर्ट का आदेश जारी रहेगा। सिसोदिया ने राउज एवेन्यू कोर्ट के 30 अप्रैल, 2024 के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। जिसने दो मामलों में उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा कि यह उन्हें जमानत देने का सही चरण (स्टेज) नहीं है। कोर्ट ने सिसोदिया की उस दलील को भी खारिज कर दिया था जिसमें उन्होंने कहा था कि मामले की कार्यवाही काफी धीमी गति से आगे बढ़ रही है। अदालत ने कहा कि वह इस स्टेज पर उन्हें नियमित या अंतरिम जमानत नहीं दे सकती। कथित शराब घोटाले की वजह से जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सामने एक और मुसीबत खड़ी हो गई है। दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक के खिलाफ एनआईए (नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी) जांच की सिफारिश कर दी है। यह केंद्रीय एजेंसी आतंकवाद से जुड़े मामलों की जांच करती है। एलजी को शिकायत मिली थी कि आम आदमी पार्टी और इसके मुखिया ने खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) से फंडिंग ली।

एक अप्रैल को आशू मोंगिया नाम के एक शख्स ने एलजी वीके सक्सेना को लेटर लिखकर जांच की मांग की थी। मोंगिया खुद को वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन का महासचिव बताते हैं। कभी आम आदमी पार्टी के सदस्य रहे मुनीष रायजादा ने भी एलजी से जांच की मांग की थी। अब राजभवन ने गृहमंत्रालय को लेटर लिखकर जांच की सिफारिश कर दी है।

हाईकोर्ट ने वक्फ ट्रिब्यूनल के दोबारा गठन की याचिका पर दिल्ली सरकार से मांगा जवाब

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने वक्फ न्यायाधिकरण के पुनर्गठन की मांग करने वाली एक याचिका पर सोमवार को दिल्ली सरकार से जवाब मांगा है। यह मामला किरायेदारी विवादों सहित वक्फ संपत्तियों से जुड़े मामलों से निपटने से संबंधित है। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने मस्जिद और दरगाह शाह अब्दुल सलाम द्वारा दायर याचिका पर दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया है। यह एक विधिवत अधिसूचित वक्फ है, एक इस्लामी बंदोबस्ती संपत्ति है जिसे ट्रस्ट में रखा जाना चाहिए और धर्मार्थ या धार्मिक उद्देश्य के लिए उपयोग किया जाना चाहिए।

पीठ ने कहा कि अधिकारी अपना जवाब दाखिल करें। पीठ ने मामले को इस महीने के अंत में आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। वकील मुदस्सर जहां फरीदी और वजीह शफीक द्वारा पेश याचिका में कहा गया है कि ट्रिब्यूनल ने आखिरी बार 20 अप्रैल, 2022 को काम किया था, जिसके बाद राज्य न्यायिक सेवा के एक सदस्य को पैनल से अदालत में स्थानांतरित कर दिया गया था। उनकी जगह एक अन्य अतिरिक्त जिला न्यायाधीश ने ली थी।

टिकट कटने का दुख लेकिन....मान गए कांग्रेस के पूर्व मंत्री कैप्टन अजय यादव? राज बब्बर को दिया जीत का भरोसा

नईदिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम लोकसभा से कांग्रेस उम्मीदवार राज बब्बर सोमवार को कांग्रेस के पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव को मनाने के लिए उनके कार्यालय पहुंचे। इस दौरान सैंकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। दावा है कि नाराज कैप्टन अजय यादव को मना लिया गया है और अब वह कांग्रेस के लिए प्रचार करते नजर आएंगे। राज बब्बर ने कैप्टन अजय सिंह यादव के कार्यकर्ताओं को भी संबोधित किया। हरियाणा की सबसे बड़ी लोकसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी राज बब्बर तमाम कांग्रेसियों को एक जुट करने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

इसी कड़ी में सोमवार को कैप्टन अजय यादव के कार्यकर्ता सम्मेलन कार्यक्रम में राज बब्बर पहुंचे। उन्होंने नाराज कैप्टन अजय यादव को मना लिया तो वहीं कप्तान अजय यादव को अपना समधी भी बताया। इस दौरान राज बब्बर ने जहां कार्यकर्ताओं को संबोधित किया तो वहीं कैप्टन अजय सिंह यादव की तमाम नाराजगी को दूर किया। राज बब्बर ने कहा कि गुरुग्राम लोकसभा सीट से राज बब्बर नहीं बल्कि कैप्टन अजय सिंह यादव चुनाव लड़ रहे हैं और वह बड़े भाई के साथ-साथ समधि भी हैं। इस दौरान राज बब्बर ने राव इंद्रजीत सिंह पर निशाना साधा। राज बब्बर को भी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कैप्टन अजय सिंह यादव ने आश्वासन और भरोसा दिलाया कि वह उनके साथ है। कैप्टन अजय सिंह यादव ने कहा कि उन्हें अपने टिकट कटने का उन्हें दुख जरूर है, लेकिन अब आने

वाले वक्त में कांग्रेस के लिए प्रचार करते हुए नजर आएंगे। एक बार फिर भाजपा और राव इंद्रजीत सिंह पर जमकर कैप्टन अजय सिंह यादव बरसते हुए नजर आए। एक तरफ बीजेपी और दूसरी तरफ तमाम राजनीतिक पार्टियां लगातार चुनाव प्रचार में जुटी हुई है। कांग्रेसी उम्मीदवार के लिए सबसे बड़ी चुनौती रूठे हुए नेताओं को मानना है। कांग्रेस के उम्मीदवार राज बब्बर ने धुंआधार प्रचार की शुरूआत गुरुग्राम के पंजाबी मोहल्ले से की। यहां गुरुग्राम विधानसभा में चार स्थानों पर जनसभाएं हुई, सभी स्थानों पर बीते 10 सालों बाद कांग्रेस के समर्थन में इतनी अधिक भीड़ और लोगों का जनसैलाब देखने को मिला। हालात ये थे कि जब राज बब्बर अपनी तीन संभाएं करने के बाद मदनपुरी के रामलीला मैदान में सभा करने पहुंचे तो लोगों के भारी भीड़ की वजह से उन्हे एक किलोमीटर दूर ही रुकना पड़ा। भीड़ की वजह से कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने में ही उन्हे घंटों लग गए।

डीयू के मास्टर्स कोर्सों में दाखिले के लिए 25 तक आवेदन करें

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) इस साल 80 से अधिक मास्टर्स विषयों में दाखिला देने जा रहा है। दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 25 मई है। डीयू की ओर से सोमवार को आयोजित वेबिनार में डीयू की डीन एडमिशन प्रो.हनीत गांधी ने छात्रों से जानकारी साझा की। डीयू के यूट्यूब चैनल पर इस बारे में छात्रों ने सवाल भी किए। प्रो.हनीत गांधी ने बताया कि मास्टर्स के लिए छात्र अधिक से अधिक कोर्स और कॉलेज को प्राथमिकता दें। ज्ञात हो कि डीयू नॉर्थ और साउथ कैंपस के अलावा कुछ कॉलेजों में और ग्वायर हॉल में पीजी की डिग्री की पढ़ाई होती है। वेबिनार में बताया गया कि सीयूईटी देने के दौरान जिन अभ्यर्थियों ने दिल्ली विश्वविद्यालय का विकल्प नहीं भरा है, वह भी डीयू की ओर से पीजी दाखिला प्रक्रिया के दूसरे चरण सामान्य सीट आवंटन प्रणाली (सीएसएएस) में रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं, लेकिन बिना सीयूईटी के पीजी में दाखिला नहीं हो सकता है। प्रो. गांधी ने स्पष्ट किया है कि छात्र सीयूईटी फार्म में जो जानकारियां भरी थी उसे ही वह सीएसएएस फार्म में भरें। गलत फार्म भरने पर वह मान्य नहीं होगा। नियमित कॉलेजों के साथ एनसीवेब की छात्राओं को दिल्ली का निवास प्रमाणपत्र देना होगा। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को जामिया मिलिया इस्लामिया से कहा कि वह अपनी आवासीय कोचिंग में ओबीसी (गैर-क्रीमी लेयर) श्रेणी

और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के छात्रों को प्रवेश देने की मांग करने वाली एक जनहित याचिका पर प्रतिनिधित्व के रूप में निर्णय लें। याचिकाकर्ता ने कहा कि आरसीए, जो कि सिविल सेवा के उम्मीदवारों के लिए एक मुफ्त कोचिंग कार्यक्रम है, केवल महिलाओं और अल्पसंख्यक या एससी, एसटी समुदायों को इसका लाभ दे रहे हैं। वहीं, मनमाने ढंग से अन्य वंचित श्रेणियों को इससे बाहर कर दिया गया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन एवं मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ ने पाया कि याचिकाकर्ता कानून के छात्र सत्यम सिंह ने बिना किसी पूर्व प्रतिनिधित्व के सीधे अदालत का दरवाजा खटखटाया। इस पर पीठ ने विश्वविद्यालय से जनहित याचिका में उठाए गए मुद्दे को एक प्रतिनिधित्व के रूप में मानते हुए निर्णय लेने के लिए कहा। बेंच ने कहा कि जेएमआई को इसे एक प्रतिनिधित्व के रूप में मानने और कानून के अनुसार चार सप्ताह में निर्णय लेने के निर्देश के साथ वर्तमान रिट याचिका का निपटारा किया जा रहा है।

पश्चिमी देशों की टिप्पणियों के बाद भड़के रूस का ऐलान, अब परमाणु हथियारों से करेगा सैन्य अभ्यास

मॉस्को , एजेंसी। पश्चिमी देशों की टिप्पणियों के बाद भड़के रूस ने परमाणु हथियारों के साथ सैन्य अभ्यास की योजना बनायी है। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को यह घोषणा की। रूस का यह कदम ऐसे समय सामने आया है, जब कुछ दिन पहले ही पश्चिमी देशों ने यूक्रेन के साथ युद्ध को लेकर मॉस्को के खिलाफ टिप्पणियां की थीं। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह अभ्यास ''रूस के संबंध में कुछ पश्चिमी देशों के अधिकारियों के भड़काऊ बयानों और धमकियों के जवाब में है।

यह पहली बार है कि रूस ने सार्वजनिक रूप से परमाणु हथियारों से जुड़े अभ्यास की घोषणा की है। हालांकि, इसका सामरिक परमाणु बल नियमित रूप से अभ्यास करता रहता है। यह घोषणा यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगियों के लिए एक चेतावनी प्रतीत होती है, जो दो साल से अधिक समय से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर लगातार गंभीर चिंता जता रहे हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पिछले सप्ताह दोहराया था कि वह यूक्रेन में सेना भेजने के विचार से इनकार नहीं कर रहे हैं।

वहीं, ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड कैमरन ने कहा कि कीव की सेना रूस के अंदर लक्ष्यों पर हमला करने के लिए ब्रिटेन के लंबी दूरी के हथियारों का उपयोग कर सकेगी।

मालदीव में 40% भारतीय टूरिस्ट घटे, पर्यटन मंत्री ने भारतीयों से आने की अपील की, कहा- हमारी इकोनॉमी टूरिज्म बेस्ड

माले, एजेंसी।
मालदीव और भारत के बीच जारी गतिरोध का असर वहां के टूरिज्म पर पड़ा था। जनवरी से अप्रैल तक मालदीव पहुंचने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में 40 फीसदी गिरावट आई है। मालदीव की मिनिस्ट्री ऑफ टूरिज्म ने बताया कि जनवरी से अप्रैल तक भारत से 43,991 टूरिस्ट आए। 2023 में इस दरम्यान यह संख्या 73,785 थी।

सोमवार (6 मई) को मालदीव के पर्यटन मंत्री इब्राहिम फैसल ने भारतीयों से उनके देश आने की अपील की। उन्होंने कहा- हमारी इकोनॉमी टूरिज्म पर ही निर्भर है। पर्यटन मंत्री ने कहा कि मालदीव हमेशा भारत से दोस्ती करना चाहता है। हमारी सरकार भारतीयों के स्वागत के लिए हमेशा तैयार है। मालदीव में सबसे ज्यादा टूरिस्ट भारत से आते थे। अब यह संख्या छठे स्थान पर पहुंच गई है। इससे पहले मालदीव ने कहा था कि वो भारतीय टूरिस्ट को लुभाने के लिए भारत के कई शहरों में रोड शो कराएगा। हालांकि, रोड शो किन शहरों में और कब कराए जाएंगे, इसकी

जानकारी नहीं दी गई थी।

मालदीव एसोसिएशन ऑफ टूर एंड ट्रैवल ऑपरेटर्स ने कहा था कि भारत के हाई कमिश्नर मुनु महावर से दोनों देशों के बीच यात्रा और पर्यटन सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की गई। दरअसल, जनवरी 2024 के बाद से मालदीव जाने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या बहुत कम हुई है। इसकी वजह वहां के नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हुई आपत्तिजनक टिप्पणी है। 7 जनवरी को भारत में हैशटैग ट्रेंड हुआ। पीएम मोदी ने लक्षद्वीप दौरे का एक वीडियो शेयर किया था। इसमें खूबसूरती के लिहाज से लक्षद्वीप अब मालदीव को टक्कर देता नजर आया। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोग कहने लगे कि लाखों रुपए खर्च कर मालदीव जाने से बेहतर है कि लक्षद्वीप जाएं।

इससे मालदीव के मंत्री और नेता नाराज नजर आए। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट में मोदी के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। साथ ही कहा कि भारत सर्विस के मामले में मालदीव का मुकाबला नहीं कर सकता। इसके बाद मालदीव में मौजूद भारतीय सेना को 10 मई से पहले देश छोड़ने को कहा गया था। तब 11 मार्च को 25 भारतीय सैनिकों के पहले समूह ने मालदीव छोड़ दिया था। फिर 9 अप्रैल को भारतीय सैनिकों को दूसरा समूह ने भी मालदीव छोड़ दिया था। फरवरी में नई दिल्ली में हुए मालदीव और भारत के बीच समझौते में ये तय हुआ था कि सैन्य विमानों के संचालन की देखरेख के लिए मालदीव में मौजूद भारतीय सैनिकों की जगह भारत की टेक्निकल स्टाफ टीम लेगी। इसके बाद 29 मई को 26 टेक्निकल स्टाफ का पहला बैच मालदीव पहुंच गया था।

बोइंग का स्टारलाइनर मिशन टला, इससे भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स स्पेस स्टेशन जाने वाली थीं, ऑक्सीजन रिलीफ वॉल्व में आई खराबी

वॉशिंगटन, एजेंसी।
भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन ले जाने वाला बोइंग का स्टारलाइनर मिशन टल गया है। इसे रुके एटलस वी रॉकेट से आज सुबह 8:04 बजे फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से लॉन्च किया जाना था। रॉकेट के ऑक्सीजन रिलीफ वॉल्व में आई समस्या के कारण इस मिशन को टाला गया है।

मिशन टलने के बाद एस्ट्रोनॉट वरू क्वार्टर में लौट गए हैं। अब अगला लॉन्च कब होगा इसकी फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी गई है। इस मिशन के सफल होने पर इतिहास में पहली बार अमेरिका के

पास एस्ट्रोनॉट को स्पेस में भेजने के लिए 2 स्पेसक्राफ्ट हो जाएंगे। अभी अमेरिका के पास इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स का ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट ही है।

एटलस वी रॉकेट लॉन्च होगा। 15 मिनट बाद ये स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट को रिलीज कर देगा। स्पेसक्राफ्ट के इंजन फायर होंगे और ये स्पेस स्टेशन की लगभग 24 घंटे की यात्रा के लिए कक्षा में स्थापित हो जाएगा।

स्टारलाइनर हार्मनी मॉड्यूल के आगे वाले पोर्ट पर डॉक करेगा। अपने स्टे के दौरान क्रू स्टारलाइनर के अंदर जाएगा, हैच बंद करेगा और दिखाएगा कि भविष्य में मलबे के साथ टकराव के रिस्क जैसी स्थिति में स्पेसक्राफ्ट सुरक्षित आश्रय के रूप में काम कर सकता है।

विल्मोर और विलियम्स पृथ्वी पर लौटने से पहले लगभग एक हफ्ते तक एक्सपेडिशन 71 क्रू के साथ रहेंगे और काम करेंगे। अनडॉकिंग के बाद, स्टारलाइनर के मैनुअल पायलटिंग का आकलन होगा। चालक दल अनडॉकिंग से लेकर लैंडिंग तक लगभग छह घंटे बिताएगा। पृथ्वी के वायुमंडल में रीएंट्री के दौरान, स्पेसक्राफ्ट 28,000 किमी/घंटे की गति से धीमा होना शुरू हो जाएगा। इस दौरान क्रू 3.5 द्द तक भार महसूस कर सकता है। रीएंट्री के बाद पैराशूट सिस्टम की सुरक्षा के लिए स्पेसक्राफ्ट की आगे लगी हीट शील्ड को हटा दिया जाएगा। दो ड्रैग और तीन मुख्य पैराशूट स्टारलाइनर की गति को और धीमा कर देंगे। बेस हीट शील्ड डुअल एयरबैग सिस्टम को एक्सपोज करते हुए डिप्लॉय हो जाएगी। 6 प्राइमरी एयरबैग कैप्सूल के बेस पर डिप्लॉय होंगे। ये लैंडिंग के दौरान कुशन की तरह काम करेंगी। लैंडिंग के दौरान स्पेसक्राफ्ट की गति करीब 6 किलोमीटर प्रति घंटे की होगी। संभावित लैंडिंग स्थानों में एरिजोना का विलकॉक्स और यूटा का डगवे प्रोविंग ग्राउंड शामिल है। कैलिफोर्निया में एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस एक इमरजेंसी लैंडिंग साइट के रूप में उपलब्ध है। टचडाउन के बाद, चालक दल पैराशूट हटाएगा, स्पेसक्राफ्ट की बिजली बंद करेगा और मिशन कंट्रोल लैंडिंग और रिकवरी टीमों से सैटेलाइट फोन कॉल के जरिए संपर्क करेगा। रिकवरी टीम स्टारलाइनर के चारों ओर एक टेंट लगाएगी।

जर्मनी में ताइवान के दूत ने कहा- यूएन में भागीदार बनने योग्य नहीं चीन

बर्लिन , एजेंसी। जर्मनी में ताइवान के राजदूत शीह झाई-वे ने अपने कब्जे वाले क्षेत्रों पर चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) द्वारा किए जा रहे अत्याचारों को उजागर किया। म्यूनिख में मनाई गई विश्व उइघुर कांग्रेस की 20वीं वर्षगांठ पर बोलते हुए ताइवान के दूत ने बताया कि कैसे कब्जे वाले क्षेत्रों के लोग अत्याचारों का सामना कर रहे हैं। शीह झाई-वे ने अपने बयान में चीन और संयुक्त राष्ट्र की आलोचना की, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र मानवता के खिलाफ अपने सभी अत्याचारों से अवगत होने के बावजूद देश पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र चार्टर का हवाला देते हुए कहा कि अगर संयुक्त राष्ट्र चीन द्वारा, उइगरों , तिब्बतियों , हांगकांग और उसके लोगों के खिलाफ किए गए अत्याचारों की तरफ ध्यान देता तो बहुत समय पहले चीन को बाहर कर चुका होता। वे ने आगे उल्लेख किया, संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय 2 के अनुच्छेद 6। में साफ लिखा है कि संयुक्त राष्ट्र का एक सदस्य जिसने संयुक्त राष्ट्र में अंकित सिद्धांतों का लगातार उल्लंघन किया तो उसे सुरक्षा परिषद की सिफारिश पर महासभा द्वारा निष्कासित कर दिया जाएगा। अब हम अड़े रहेंगे उसी चार्टर पर जिस पर संयुक्त राष्ट्र को बहुत गर्व है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।